



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 19, 1980 (पौष 29, 1901)
No. 31 NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 19, 1980 (PAUSA 29, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

सं० पी०/1890-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12 दिसम्बर, 1977 के अनुरूप क्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस कार्यालय में अवर सचिव डा० टी० रामासामी की नियुक्ति को संघ लोक सेवा आयोग (कर्मचारी) विनियम 1958 के विनियम 4 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन 1 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से और 2 वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, जारी रखने की अनुमति प्रदान की जाती है।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव (प्रशा०)

कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

पर दिनांक 19-11-79 (उपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मण्डल,
उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

सं० 78 आर० सी० टी० 16—केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद् द्वारा श्री के० जे० सिंह, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्) को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक 19-12-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा

अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० ए०-11/6/79—श्री इन्द्र मोहन भाटिया को प्रवर्तन निदेशालय के मुख्यालय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के पद
1-416GI/79

सं० ओ० दो० 1032/75-स्थाना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सनामाई नायक को

3-12-79 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

बी० के० करकग
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत सरकार टकसाल

अलीपुर, कलकत्ता-53, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

सं० पी०-257—श्री आर० एन० नियोगी, जो स्थानापन्न रूप से भारत सरकार टकसाल, अलीपुर के बलियन रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत हैं, को दिनांक 1-12-1976 से इसी टकसाल के उक्त पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया गया है।

बी० एन० मिश्री
टकसाल अधिकर्ता

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार—प्रथम, मध्य प्रदेश
ग्वालियर, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० प्रशा०-1/पी० एफ०/जी० एन० जी०/434—श्री एन० जी० एन० घोष, स्थाई लेखा अधिकारी की, अतिवाषिक की आयु हो जाने पर दिनांक 31-12-1979 को अग्रगण्य से शासकीय सेवा से, निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय मित्रिन् मेडा.

अर्डेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 24 दिसम्बर, 1979

सं० 21/79/ए०/ई०-1 (एन० जी०) —महानिदेशक आर्डेन्स फैक्टरियां महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रत्येक के सामने दर्शाए गये में और तारीखों से वर्तमान रिक्तियों में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, प्रोत्तन करते हैं।

- | | | |
|---|------------------------|-----------------|
| 1. श्री बी० के० नन्दी | स्थानापन्न सहायक | दिनांक 10-12-79 |
| स्थायी सहायक। | स्टाफ अधिकारी से | आगामी |
| | (राजपत्रित ग्रुप 'बी') | आदेश न होने तक। |
| 2. श्री गोवर्धन लाल | —वही— | —वही— |
| स्थायी सहायक। | | |
| 3. श्री एम० के० खास्त-मिर, स्थायी सहायक | —वही— | —वही— |

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रशासन
कृते महानिदेशक, आर्डेन्स फैक्टरियां

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग—1)

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर, 1979

सं० प्र०-1/1(873)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-III) श्री आई० एस० गर्ग को दिनांक 10-12-79 के पूर्वाह्न से उसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप-निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आश्रय पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग—6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

सं० ए०-17011/167/79-प्र०-6—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में अवर श्रेष्ठ अधिकारी श्री के० एन० नागराज को दिनांक 22 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर, 1979

सं० प्र० 6/247/492/III —राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री आर० सी० शर्मा को दिनांक 3-12-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री शर्मा ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 3-12-79 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० ए०-17011/81/74-प्र० 6—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री बी० के० मालाकार को दिनांक 3-12-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए, इंजी० शाखा के ग्रेड-III) में नियुक्त करते हैं।

2. श्री मालाकार ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 3-12-79 के पूर्वाह्न से

निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सभाल लिया।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

सं० ए-20012/14/70-प्र० (ए०)--विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री एम० एन० मुन्ता को इस निदेशालय के अहमदाबाद स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय (वेन यूनिट) में 12-12-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक बिल्कुल अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी
उप-निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर, 1979

सं० ए० 35017/1/79-(एच० क्यू०) प्रशासन-I--राष्ट्रपति ने श्री जे० पी० रस्तोगी को 7 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक लेखा (भंडार) के पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर, 1979

सं० ए० 19023/14/79-प्र० III --संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ए० एन० राव, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन बम्बई में तारीख 29-10-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (बर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री राव ने तारीख 17-10-79 के अपराह्न को बंगलूर में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एन० मनहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृपि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन

कलकत्ता-700064, दिनांक 22 नवम्बर, 1979

सं० बी० ई० सी०/सी०/पी० ई० आर०-डी० के० जी०/11870--भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, बम्बई के अपर निदेशक ने श्री द्वीपेन्दु कुमार घोष, स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी)/स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (एम० बी०) परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन परियोजना, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कलकत्ता का त्यागपत्र 13-11-1979 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

आर० पी० हरण,
प्रशासन अधिकारी-III

परमाणु ऊर्जा विभाग

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 29 दिसम्बर, 1979

सं० 05052/79 6948--भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-अधिकारी, श्री त्रिकालुर वारियथ राधाकृष्णन अस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (बडोदरा) को, उसी परियोजना में, एक अग्रस्त 1979 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रुप एम० बी०) नियुक्त करत है।

सं० 05052/79/6949--भारी पानी परियोजना के, विषय कार्य-अधिकारी, श्री दविन्दर कपूर, अस्थायी फोरमैन (कार्यदेशक), भारी पानी परियोजना (बडोदरा), को, उसी परियोजना में, एक अग्रस्त, 1979 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रुप एम० बी०) नियुक्त करत है।

आर० सी० कोटियनकर
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, 24 दिसम्बर, 1979

सं० अं० उ० के० /स्थापना/आई० एम० सी० ई० एस०/1410/79--अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक, इस केन्द्र में अस्थायी इंजीनियर एम० बी० श्री अरुण कुमार सक्सेना का सेवा में त्यागपत्र दिनांक 24 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

एम० पी० आर० पाणिकर,
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

सं० ए० 32013/2/77-ई०-I—इस विभाग की दिनांक 16 अप्रैल, 1979 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/77-ई०-I के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री बी० रामासुब्रमण्यम, निदेशक प्रशिक्षण और अनुज्ञापन नागर विमानन विभाग की नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में निदेशक (योजना और मूल्यांकन) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 31-7-1979 के बाद 31-12-1979 तक या पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दे दी है।

सी० कें० वर्त्म

सहायक निदेशक प्रशासन

कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79-ईए—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से एक वर्ष के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं। उन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र बमरोली (झाड़वाड़) में तैनात किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	तारीख
1.	श्री बी० कुमार	26-11-79
2.	श्री एम० एस० मलिक	26-11-79
3.	श्री सी० बी० रायसिंहानी	26-11-79
4.	श्री एस० नन्दन	26-11-79
5.	श्री एन० आर० चौधरी	27-11-79
6.	श्री एम० के० देव मोंडल	27-11-79
7.	श्री आर० बाई० पोल	30-11-79

दिनांक 20 दिसम्बर, 1979

सं० ए-32014/2/79-ईए—महानिदेशक, नागर विमानन निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से एक वर्ष के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	तारीख
1.	श्री धर्मपाल	17-9-79
2.	श्री एस० ए० कृष्णन	19-9-79 (अपराह्न)
3.	श्री बाई० पी० साहनी	17-9-79
4.	श्री जे० सी० करतानिया	17-9-79

क्रम सं०	नाम	तारीख
5.	श्री एन० के० जी० राव	19-9-79 (अपराह्न)
6.	श्री एच० बी० राय	25-9-79
7.	श्री एस० एन० सरकार	17-9-79
8.	श्री जे० बी० सुभा राव	19-9-79 (अपराह्न)
9.	श्री एस० के० सेन गुप्ता	17-9-79
10.	श्री एस० पी० रिखी	18-9-79
11.	श्री पी० एस० जसवाल	17-9-79
12.	श्री पी० पी० सेनी	17-9-79
13.	श्री अमर चन्द	17-9-79
14.	श्री आर० डी० बाजपेयी	17-9-79
15.	श्री जी० बी० पुरोहित	17-9-79

दिनांक 22 दिसम्बर, 1979

सं० ए० 32014/2/79-ईए—महानिदेशक, नागर विमानन निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तक सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	तारीख
1.	श्री महान सिंह	17-9-79
2.	श्री एम० ज्ञानप्रकाश	24-9-79

बी० बी० जीहरी
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं० ए० 44012/1/79-ईएम—महानिदेशक, नागर विमानन ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में केन्द्रिय प्लानिङ के लाइसेंस प्राप्त इंजीनियर श्री ए० एम० वर्मा का दिनांक 6-12-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

आर० एन० दाम
सहायक निदेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

सं० 1/439/79-म्या०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री डी० पी० नामकर को तदर्थ आधार पर निम्नलिखित अवधियों के लिए उमी शाखा में स्थानापन्न रूप से उपपरिचालन प्रबन्धक नियुक्त करते हैं :—

से	तक
1. 30-4-1979	30-5-79
2. 4-6-1979	21-7-79

दिनांक 10 दिसम्बर 1979

सं० 12/19/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा निम्नलिखित स्थानापन्न उप परियात प्रबन्धकों को खाना 3 मं प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से मूल रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	मूल रूप में उप परियात प्रबन्धक की हैसियत से नियुक्ति की तारीख
1	2	3
1.	श्री एम० एम० गर्मा	13-3-75
2.	श्री जगदीश चन्द्र	1-6-77
3.	श्री के० वी० मुन्नरायण	2-6-77
4.	श्री आर० जे० बारबोसा	1-7-77
5.	श्री आर० अथाइडे	1-1-78

दिनांक 20 दिसम्बर 1979

सं० 1/311/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री ए० एस० पाण्डे को 28-8-79 से 26-9-79 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 दिसम्बर 1979

सं० 1/258/79-स्था०—श्री जी० डी० वर्मा, स्थानापन्न सहायक अभियंता, अनुसंधान व विकास एकक, मुख्य कार्यालय, बम्बई को 31 अक्तूबर, 1979 के अपराह्न में अपनी नियुक्ति से त्यागपत्र देने की अनुमति दे दी गई।

सं० 1/455/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा वि० सं० से० की देहरादून शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री एस० डी० गर्ग को एक दम तदर्थ आधार पर 26-3-1979 से 30-6-1979 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/84/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एस० तिके को 4-6-1979 से 4-8-1979 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० 1/9/79-स्था०—श्री पी० पी० पेरूमल को, जिन्हें 2 मई, 1978 से तदर्थ आधार पर मद्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किया गया था, 30 अप्रैल, 1979 के अपराह्न से उसी शाखा में तकनीकी सहायक के उनके मूल पद पर परावर्तित कर दिया गया।

सं० 1/487/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा केन्द्रीय आरक्षित आरक्षी बन, नई दिल्ली के महानिदेशालय के निरीक्षक, श्री केवल कृष्ण तलवार को 23 अक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर वि० सं० से० का देहरादून शाखा के ग्रहमद उपग्रहभू-केन्द्र में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा,
उप निदेशक (प्रशा०),
कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

सं० 1/99/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री राजेन्द्र कपूर को 24 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक अनुसंधान व विकास एकक, मुख्य कार्यालय बम्बई में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/99/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक श्री राजेन्द्र कपूर को एक दम तदर्थ आधार पर अल्पकालिक खाली जगहों पर नीचे लिखी अवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं :—

(1) 23-5-1978 से 11-8-1978 तक

(2) 19-3-1979 से 28-7-1979 तक

पा० कि० गोविन्द नायर,
निदेशक (प्रशा०),
कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० 16/333/79-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री धर्म वीर सिंह, सहायक वनपाल, उत्तर प्रदेश वन विभाग, को दिनांक 15 अक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न के अगले आदेशों तक सहर्ष सहायक शिक्षक, उत्तरी वन राजिक महाविद्यालय, देहरादून नियुक्त करते हैं।

सं० 16/339/79-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री जगराम को दिनांक 26 अक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सन्दल अनुसंधान केन्द्र, वन अनुसंधान प्रयोगशाला, बंगलूर में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरुदयाल मोहन,
कुल सचिव,

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय
इन्दौर, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं० क्रमांक 12/79—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय इन्दौर के प्रभागीय कार्यालय जबलपुर में तैनात श्री जॉर्ज ड्यूक, अधीक्षक (निवारक), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-11-1979 के अपराह्न से सेवामुक्त हो गए।

शिविन किशिन धर,
समाहर्ता

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

सं० 6/5/78-प्र०-2/—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी 2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं :—

1. श्री के० एल० वरदानि 22-10-79
2. श्री एस० एल० शर्मा 29-11-79

मन्तोष विश्वास,
अवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य बालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स सीने लेबोरेटरीज
एण्ड स्टुडीओज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं० 12551/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स सीने लेबोरेटरीज एण्ड स्टुडीओज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० गुप्ता,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आरती चिट फण्ड एण्ड
फाईनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं० जी/स्टेट/560/3156/9478—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में "एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आरती चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम,

इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और व्यास चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं० जी/स्टेट/560/2857/9480—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर व्यास चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और न्यू चोपड़ा चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

सं० जी/स्टेट/560/2743/9657—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर न्यू चोपड़ा चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और अनन्त चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

सं० जी/स्टेट/560/2931/9659—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अनन्त चिट फण्ड फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कार्यालय, आयकर आयुक्त

पटना, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

सं० जी० सी०-3/एक्स बी-1/78-79/42262—केन्द्रीय सरकार की राय में जनहित की दृष्टि से यह प्रावधान एवं गतीवात

है कि उन सभी व्यक्तियों तथा हिन्दू अविभक्त परिवारों के नाम तथा उनसे सम्बन्धित अन्य व्योरे का प्रकाशन किया जाय जिनका निर्धारण दस लाख रुपए से अधिक की सम्पत्ति पर किया गया है। मैं एतद्द्वारा सम्पत्ति कर अधिनियम 1957 की धारा 42ए के अन्तर्गत बिहार प्रभार-I तथा II के उन निर्धारितियों के नाम तथा अन्य व्योरे प्रकाशन के लिए अधिसूचित करता हूँ जिन पर वित्तीय वर्ष 1976-77 के अन्तर्गत दस लाख रुपए से अधिक सम्पत्ति पर किया गया है। प्रविष्टिक्रम इस प्रकार है :—

(क) हैमियन निर्देश-व्यक्ति के लिए 'व्यष्टि' हिन्दू अविभक्त परिवार के लिए हि० अ० प्र० (ख) निर्धारण वर्ष (ग) घोषित सम्पत्ति (घ) निर्धारित सम्पत्ति (च) निर्धारिती द्वारा देय सम्पत्ति कर तथा (छ) निर्धारिती द्वारा चुकाया गया सम्पत्ति कर।

(1) टी० पी० साव तथा अन्य (क) हि० अ० प० (ख) 1973-74, 1974-75, 1975-76, 1976-77 (ग) 9,76,119 रु०, 10,34,898 रु०, 9,77,326 रु०, 10,35,751 रु०, क्रमशः (घ) 11,71,200 रु० 12,29,600 रु०, 12,04,800 रु०, 13,32,290 रु० क्रमशः (च) 20,136 रु०, 43,326 रु०, 51,389 रु०, 61,576 रु० क्रमशः (छ) 6,149 रु०, 1,200 रु०, 26,300 रु०, 35,050 रु० क्रमशः

(2) श्री मिश्री लाल जैन, चाईबासा (क) व्यष्टि (ख) 1972-73, 1973-74, 1974-75, 1975-76 (ग) 36,43,600 रु०, 37,29,400 रु०, 34,55,100 रु०, 66,56,900 रु० क्रमशः (घ) 68,99,372 रु०, 70,46,906 रु०, 61,00,899 रु०, 98,87,229 रु० क्रमशः (च) 4,24,707 रु०, 4,36,96 रु०, 3,61,726 रु०, 6,53,304 रु० क्रमशः (छ) 4,24,707 रु०, 4,36,096 रु०, 3,61,726 रु०, 6,53,304 रु० क्रमशः।

सं० जी० सी०-3/एकम बी-1/78-79/42260—केन्द्रीय सरकार की राय में यह जनहित की दृष्टि में आवश्यक एवं समीचीन है कि उन निर्धारितियों के नाम तथा उनसे सम्बन्धित अन्य व्योरे प्रकाशित कर दिए जायें जिन पर कम से कम 5000/- रु० या उससे अधिक अर्थदण्ड लगाया गया था। मैं एतद्द्वारा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 287 के अधीन बिहार प्रभार-I और-II के उन निर्धारितियों के नाम तथा अन्य व्योरे प्रकाशन के लिए अधिसूचित करता हूँ जिन पर वित्तीय वर्ष 1977-78 के दौरान 5000/- रु० या उससे अधिक अर्थदण्ड लगाया था। प्रविष्टियों का क्रम इस प्रकार है :—

(क) हैमियन निर्देश-व्यक्ति के लिए 'व्यष्टि' हिन्दू अविभक्त परिवार के लिए 'हि० अ० प०' फर्म के लिए 'फ', कम्पनी के लिए 'क' (ख) निर्धारण वर्ष (ग) अर्थदण्ड की राशि।

(1) मैसर्स गुमला ट्रेडर्स, रांची (क) हि० अ० प० (ख) 1973-74 (ग) 5079/- रु० धारा 271 (1) (ए)

(2) युवराज बी० के० मिह, डोंरंडा, रांची (क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 9000/- रु० धारा 271 (1) (ए)

(3) मैसर्स लक्ष्मी नारायण रामनारायण, लालपुर, राँचा (क) 'फ' (ख) 1957-58 से 1965-66 (ग) 60610/- रु०, 23250/- रु०, 36330/- रु०, 30540/- रु० 40110/- रु० 19590/- रु० 30230/- रु०, 25580/- रु०, 19650/- रु० क्रमशः धारा 271 (1) (सी)

(4) मैसर्स सेलेक्टेड, झरिया कोल क०, (प्रा०) लि० झरिया (क) 'क' (ख) 1973-74, (ग) 5736/- रु० धारा 271 (1) (बी)

(5) श्री मेवराज अग्रवाल, बलिघापुर, धनबाद (क) 'व्यष्टि' (ख) 1973-74, (ग) 14542/- रु० धारा 271 (1) (सी)।

(6) मैसर्स ओम प्रकाश एण्ड क०, झरिया (क) 'फ' (ख) 1973-74 (ग) 26936/- रु०, 11146/- रु०, 8318/- रु० और 107000/- रु० धारा 271 (1) (ए), 271 (1) (बी), 273 (बी), 271 (1) (सी) क्रमशः

सं० जी० सी०-3/एकम बी-1/78-79/42256—केन्द्रीय सरकार की राय में यह जनहित की दृष्टि में आवश्यक एवं समीचीन है कि उन सभी व्यक्तियों तथा हिन्दू अविभक्त परिवारों, जिनका निर्धारण 2 लाख रुपए से अधिक की आय पर हुआ था तथा उन फर्मों व्यक्ति संघी एवं कम्पनियों जिनका निर्धारण 10 लाख रुपए अधिक की आय पर हुआ था, के नाम तथा अन्य व्योरे प्रकाशित किए जायें। मैं एतद्द्वारा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 287 के अधीन बिहार प्रभार-I तथा-II के निम्नलिखित निर्धारितियों के नाम तथा अन्य व्योरे प्रकाशन के लिए अधिसूचित करता हूँ जिनका वित्तीय वर्ष 1977-78 के मध्य इस प्रकार का निर्धारण हुआ है। प्रविष्टिक्रम इस प्रकार है :—

(क) हैमियन निर्देश-व्यक्ति के लिए 'व्यष्टि' हिन्दू अविभक्त परिवार के लिए 'हि० अ० प०', फर्म के लिए 'फ' कम्पनी के लिए 'क' (ख) निर्धारण वर्ष (ग) विवरणी में बनाई गई आय (घ) निर्धारित आय (च) निर्धारिती द्वारा देय कर तथा (छ) निर्धारिती द्वारा चुकाया गया कर।

(1) श्री गनपत राय जैन, जमशेदपुर (क) हि० अ० प० (ख) 1976-77 (ग) 2319220/- रु० (घ) 2319220/- रु० (च) 1768639/- रु० (छ) 1768639/- रु०

(2) मैसर्स तिवारी बेचारेण्ड कम्पनी, जमशेदपुर (क) 'क' (ख) 1974-75 (ग) 334375/- रु० (घ) 1135207/- रु० (च) 241509/- रु० (छ) 241509/- रु०।

(3) मैसर्स योदोगवास्टीन वर्क्स लि० (जापान) जमशेदपुर (क) 'क' (ख) 1977-78 (ग) 1503910/- रु० (घ) 1503910/- रु० (च) 791600/- रु० (छ) 791600/- रु०

(4) मैसर्स स्टीन मिटी बिबरेजेस (प्रा०) लि० जमशेदपुर, (क) 'क' (ख) 1976-77 (ग) 878918/- रु०

(घ) 1003590/- रु० (च) 620834/- रु० (छ)
620834/- रु०

(5) मैसर्स मेकौन, रांची (क) 'क' (ख) 1975-76
(ग) शून्य (घ) 10919510/- रु० (च) 6959997/-
रु० (छ) 6061805/- रु०

(6) मैसर्स मेकौन, रांची (क) 'क' (ख) 1976-77
(ग) शून्य (घ) 6638850/- रु० (च) 4061400/- रु०
(छ) 3549640/- रु०

(7) मैसर्स वेस्टर्न इन्डिया मेल्स एण्ड सर्विस, रांची (क)
फर्म (ख) 1974-75 (ग) 810060/- रु० (घ)
1029692/- रु० (च) 351460/- रु० (छ) 100000/- रु० ।

मुधाकर द्विवेदी,
आयकर प्रायुक्त ।
बिहार-I पटना ।

रूप माई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 257/79-80/ए.वि.व०---यतः मुझे, पि०
रंगनाथन,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 158/25 है, जो गूरिम, संगोलडा, तालुक
बाडेंज, गोवा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बाडेंज अंडर डाक्यूमेंट नं० 236 तारीख 7-4-79
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी वस्तु या अन्य वास्तवों
की जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-416GI/79

1. (1) श्री जानिम मार्टिन फर्नांडिस
(2) अन्ना गुटिरीया विक्टर फर्नांडिस बस्तोरा,
बाडेंज, गोवा। (अन्तरक)
2. श्रीमती मारिया अयासिम डिसौजा पर्वोरिम बाडेंज
गोवा। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आग्रह :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही यथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

संपत्ति नं० एम० नं० 158/25 जिसका नाम है "अरडि"
और जो गूरिम, संगोलडा, तालुक बाडेंज गोवा में स्थित है।

पि० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/12-79/981—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 1660 है तथा जो कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वापस दिया जाना से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देय क प्रत्येक के दायित्व में आय करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य भूमितियों को, जहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जात जाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मोहनी शंकर धर्म पत्नी विजय शंकर, निवासी-43-बी हनुमान रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सत्यनारायण गुप्ता पुत्र श्री नन्दलाल और नौरंग लाल पुत्र श्री गयारमीलाल निवास स्थान 1660, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सहायक संपत्ति में निबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानसूचक के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 1660 (पुराना नं० 880 ई० तब 1750 और अब 1660) जो प्लॉट फ्रीहोल्ड 401 वर्ग गज जोकि स्थिति है। कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली जो निम्न प्रकार से है)

ईस्ट—मकान श्री शेरा और लाछू जो पोसीशन पर शहान चंद ।

वेस्ट—मकान श्री सुन्दर लाल, लाल चन्द

नार्थ—ग्राम रास्ता ।

साऊथ—मकान हरगू लाल ।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1979

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सि०/रेंज-2/कल०/19—यतः, मुझे,
के० सिन्हा,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 97 है तथा जो धन देवी खासा रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 10-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मरीज कुमार पाल (अन्तरक)

2. श्री प्रभात सुर और मालविका घोष (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए गए संलग्न।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रभाव 208 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन परिमाण—2 कट्ठा 1 छटांक 28 स्कोयर
फिट 97, धन देवी खासा रोड, थाना—बेलेवाटा।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख : 31-12-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० के० एच० आर०/6/79-80—अतः, मुझे, आर० के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 222, फेज 7 है तथा जो मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बलजिन्दर कौर पुत्री श्री बाबा सिंह, वासी 222, फेज 7, मोहाली, तहसील खरड़। (अन्तरक)

2. श्रीमती मुरजीत कौर पत्नी भगत सिंह वासी रामगढ़ सेनीयां, जिला पटियाला। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 222, फेज 7, जिसका क्षेत्रफल 6 मरले है और जो मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलख संया 362 अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर 1979
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एन० डी० एच०/25/79-80—अतः, मुझे,
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3570, चीमा पार्क, नजदीक
माडल ग्राम स्टेशन है तथा जो लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी श्री सुरजीत सिंह,
मकान नं० 3570, चीमा पार्क, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद सिंह अजीत सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह
पुत्र विशन सिंह वासी 3290/2 बीर परिवार कालोनी न्यू
माडल टाउन लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 206 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3570, जिसका क्षेत्रफल 337.79 वर्ग
गज है और जो चीमा पार्क, नजदीक माडल ग्राम स्टेशन,
लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 187, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० के० एच० पी०/7/79-80—अतः मुझे, आर० के० मल्होत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 110, फेज 1, एरिया 262.5 वर्ग गज है तथा जो मोहाली तहसील खरड़, जिला रोपड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती हरदीप कौर पत्नी श्री सुरजीत सिंह वासी 3088, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री जोध सिंह पुत्र दृषवर सिंह, श्रीमती प्रेम कौली पत्नी श्री जोध सिंह वासी मकान नं० 110, फेज 1, मोहाली तहसील खरड़, जिला रोपड़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 110 फेज 1, जिसका क्षलफल 262.5 वर्ग गज है और जो मोहाली, तहसील खरड़, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख सं० 367, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/आर०/8/79-80—

अतः मुझे, आर० के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो गांव नन्दपुर, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री हरजीत सिंह, अमेर सिंह पुत्र श्री चनन, गांव नन्दपुर, तहसील व जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. मैसर्स सागर इंजीनियरिंग वर्क्स, प्लॉट नं० 2, प्लॉट नं० 419, इंडस्ट्रीयल एरिया 'ए', लुधियाना द्वारा श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह 418, इंडस्ट्रीयल एरिया 'ए', लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है और जो गांव नन्दपुर, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 328, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एन० डी० एच०/आर०/111/79-80—

अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 2 सरले है तथा गांव नन्दपुर तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धनरहित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धनरक के शायद से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धनरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री हरजीव सिंह, अजमेर सिंह पुत्र श्री चतन गांव नन्दपुर तहसील व जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. मैसर्स मागर इंजीनियरिंग वर्क्स यूनिट नं० 2, प्लॉट नं० 419, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना द्वारा श्री सतपाल सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह, 419, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेरा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 2 सरले है और जो गांव नन्दपुर, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2810, जून, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त, निरीक्षण
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निवेश सं० आर० पी० एन०/4/79-80—अतः मुझे,
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बिघा 9 बिसवा
है तथा जो धनौरी, तहसील व जिला रोपड़ में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोपड़ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित तर्कों किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-416GI/79

1. श्रीमती कौशल्या पुत्री श्री राम किशन, श्रीमती काको
विधवा श्री राम किशन वासी धनौरी, तहसील रोपड़।
(अन्तरक)

2. श्री गुरदास, रामचन्द, कर्म चन्द, दर्शन चन्द पुत्र
श्री प्रीतम चन्द, श्री प्रीतम चन्द पुत्र श्री सन्त राम, वासी
धनौरी तहसील रोपड़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बिघा 9 बिसवा है और
जो गांव धनौरी, तहसील रोपड़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रोपड़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 666, मई, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/24/79-80—अतः मुझे
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 27-ई, सराभा नगर, है तथा जो लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुब्बा सिंह पुत्र श्री दलवारा सिंह वासी मकान
नं० 22/9, दशमेश नगर, गली नं० 1, गील रोड़, लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र रत्न
सिंह, वासी 258, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 27-ई, जिसका क्षेत्रफल 825 वर्ग गज है
और जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 176, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979
मोहर

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/59/79-80—अतः मुझे
आर० के० मलहोत्रा,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-13-1409, मुखराम
नगर है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, लुधियाना में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये भर्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री काला सिंह मारफत
मैगर्स काला सिंह बूटा सिंह, कलाथ मर्चेन्टम, जेल रोड,
लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या रानी पत्नी श्री हरीश चन्द्र वासी
मकान नं० बी-13-1409, मुखराम नगर, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-13-1409, मुखराम नगर, लुधियाना
जिसका क्षेत्रफल 222.3/4 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 574 अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० आर० पी० एन०/1/79-80—अतः मुझे,
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और भूमि जिसका क्षेत्रफल 82 बिघा 17 बिसवा है तथा जो
गांव नानोवाल नं० 77, तहसील रोपड़ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोपड़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख
4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री समपूरन सिंह पुत्र श्री पृथ्वी सिंह, 1223
सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. सर्वश्री इन्दर पाल सिंह व अमरपाल सिंह पुत्र
श्री गुरचरण सिंह वासी रोपड़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

सफ्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 82 बिघा 17 बिसवा है और जो
गांव नानोवाल नं० 77, तहसील रोपड़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रोपड़ के
कार्यालय के बिलेख सं० 23, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एन डी एन/40/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 13—आर है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जमबन्त कौर पत्नी श्री रत्न सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह 2264, नाई वाली गली, गली नं० 67, गुरद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा बन्ती पत्नी श्री मुन्शी राम, 603/1, न्यू जनता नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 13—आर, माडल टाउन, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 429, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल डी एन/42/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 13-आर, है तथा
जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जमबन्त कौर पत्नी श्री रत्नमिह पुत्र
श्री रणजीत सिंह, बासी 2264, गली नं० 67, नई वाली
गली, गुरद्वारा रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री विपन कुमार पुत्र श्री मुन्शी राम, 604/1,
न्यू जनता नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 13-आर, माल टाउन, लुधियाना।
(जायेंदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख सं० 460, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल डी एन/63/79-80—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2/1561/1 है तथा जो कूचा पं० देम राज, नजदीक कलोक टावर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन नमनलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती कान्ता संघड़ पत्नी श्री धर्मवीर सेंघड़ वासी 66—मन्न नगर, सिविल लाईन, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता गोयल पत्नी श्री भीम सेन, वासी 33—बी, उधम सिंह नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

3. मैसर्स मुकीम मेडिकल एजेंसीज, शाप नं० बी-2-1561/1, कुच्चा पं० देम राज, लुधियाना। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संशुद्धिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल बिल्डिंग (कमर्शियल व रिहायशी) जिसका क्षेत्रफल 53.1/3 वर्ग गज है और जो कुच्चा पं० देम राज नजदीक कलोक टावर, लुधियाना में स्थित है।

(जायेंदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 636, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० एस० आर० डी०/26/79-80—अतः मुझे,
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल 5 मरले
है तथा जो गांव अतेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(आन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री इन्दर सिंह पुत्र श्री अरुण सिंह, वासी गांव
अतेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री दलीप सिंह, जगीर सिंह पुत्र श्री खजान
सिंह, वासी गांव अतेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त पत्राचार के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा दूंगा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल 5 मरले है और जो
गांव अतेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित
है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के
कार्यालय के विलेख संख्या 501, मई, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

सक्षम प्राई० डी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम आर डी/27/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव अनेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य होता है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किंसा भाव या किसी घन या अन्य वास्तव्यों को जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

4-416GI/79

1. श्री इन्दर सिंह, बलकार सिंह पुत्र श्री अरुड़ सिंह मांसी गांव प्रवेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री दलीप सिंह, जगीर सिंह पुत्र खजान सिंह, गांव प्रवेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्वस्वीकरण:- इसमें प्रयुक्त गवनों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल 12 मरले है और जो गांव अनेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 502, मई, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्रकरण आई०टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० पी० टी० एन०/52/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलान नं० 40-डी, माडल टाउन, है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किमी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हजारा सिंह पुत्र श्री किरपा सिंह पुत्र श्री जवाहर सिंह बामी मलान नं० 40-डी, माडल टाउन, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री मुरजीत सिंह पुत्र गुरदित सिंह व श्री चरन पालसिंह पुत्र श्री मुरजीत सिंह बामी 40-डी, माडल टाउन, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नये कार्यवाहियों करना।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम निबिडा में किए जा सकेंगे।

संशुद्धि करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलान नं० 40-डी, जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है और जो माडल टाउन, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 765, मई, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

जोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० पी टी ए/17/79-80—अनः मुझे,
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्रकट नं० 8, अजीत नगर है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला से, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :-

1. श्रीमती मनिन्दर कौर पत्नी श्री जगदीश सिंह फूजहा, वासी गां० बेर खुरद जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती राजदुलारी विधवा स्व० श्री देस राज, श्री ओम प्रकाश, श्री सुभाष चन्द, श्री अनील कुमार पुत्र श्री स्व० देव राज, वासी अजीत नगर, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदधस्तात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें उक्त शर्तों और पक्षों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रकट नं० 8 जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है और जो अजीत नगर, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विवेक संख्या 374, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

उत्तर आई० डी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निवेश सं० सी एच डी/20/79-80--अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1571 है तथा जो सैक्टर
34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल ऐसे, से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और अन्तरक (पटारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के कारण के
वास्तव में कमी करने के लिए करने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) एतावत कि या तो किसी बत या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाया जाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. डा० श्रीमती मेजर मरला शर्मा, कोमन्ड हस्पताल
अलीपुर रोड, लुधियाना। (अन्तरक)

2. डा० डी० वी० वदेहरा व श्रीमती सुरिन्दर वदेहरा,
वासी डब्ल्यू-4, सैक्टर 14, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के प्रकाशन के अन्तराल का तात्पर्य है
45 दिनों की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना का तात्पर्य में 30 दिनों की अवधि
को जो अवधि बाद में समाप्त होती है, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त सहायक सम्पत्ति में
द्वितीय किन्हीं अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों
के पास लिखा में दिने जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें उक्त गन्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1571, जिसका क्षेत्रफल 631.37 वर्ग गज
है और जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 87, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

निदेश सं० सी एच डी/1/79-80---अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लॉट नं० 767, है तथा जो
सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथ्य पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री फुमन सिंह गिल पुत्र श्री सुन्दर सिंह गिल वामा
प्रभुनगर कैन्ट, द्वारा अटारनी श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी
श्री मोहन सिंह वासी 767, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री मुखदेव सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह वासी 767,
सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी श्री मोहन सिंह, वासी
767-सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री इन्दरजीत सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह वासी
767-सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाग
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट नं० 767, जिसका क्षेत्रफल 999.4
वर्ग गज है और जो सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 8, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979
मोहर:

प्रारूप आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० CHD/2/79-80—यतः मुझे आर० के० मल्होत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लॉट नं० 767 है, तथा जो सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किनो प्राय या किनो प्राय प्रत्य प्राप्तिनां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री फुगन सिंह गिल पुत्र श्री सुन्दर सिंह गिल वर्गी अमृतसर कैस्ट, द्वारा अटारनी श्रीमती जान कौर पत्नी श्री मोहन सिंह वासी मकान नं० 767, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री इन्दरजीन सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह वासी मकान नं० 767, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. श्रीमती जान कौर पत्नी श्री मोहन सिंह वासी मकान नं० 767, सैक्टर 3-बी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग से सम्पत्ति है।)

4. श्री सुब्रह्म सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, वासी मकान नं० 767, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अग्रोहणाधारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहणाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

प्रसूची

(जायेदाद 1/2 भाग प्लॉट नं० 767, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़, जिसका क्षेत्रफल 999.4 वर्ग गज है)

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 9 अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हाफाँकर, राजपत्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम आर डी/10/79-80—अतः मुझे,
आर० बे० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11
मरले है तथा जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सर-
हिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकाश :—

1. मेजर मुरलिनन्दन सिंह, असरपाल सिंह पुत्र
श्री राजिन्दर सिंह बामी देहरादून, खेवटार गांव नरैनपुरा
उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री बरिन्दर सिंह पुत्र श्री हनुवन्त सिंह, अजीन
सिंह पुत्र आत्मा सिंह पुत्र श्री जाना सिंह बामी खानपुर,
तहसील सरहिन्द जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रयोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वसटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है और गांव
नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला
में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द
के कार्यालय के विलेख संख्या 171, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० बे० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम एम एन/4/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद व भूमि जो ऐडगेवर्थ के नाम से, जानी जाती है तथा जो स्टेशन बाई, छोटा शिमला, जिला शिमला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उक्त बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

5—416G1/79

1. श्री करतार सिंह मलहोत्रा, आई० ए० व ए० एस० (रटैरड) पुत्र स्व० श्री लाभ सिंह मलहोत्रा आफ गुजरावाला वासी ऐडगेवर्थ, छोटा शिमला (हि० प्र०)। (अन्तरक)

2. सर्वश्री कृष्ण गोपाल भासीन पुत्र स्व० श्री लच्छमन दास भासीन, ओम प्रकाश भासीन पुत्र श्री लच्छमन दास भासीन, श्री सुरिन्दर कुमार भासीन पुत्र श्री लच्छमन दास भासीन, अरुण कुमार भासीन पुत्र श्री कृष्ण गोपाल भासीन सारे वासी न्यू एलीनम लॉज, कार्ट रोड, शिमला-1 (हि० प्र०)। (अन्तरिती)

4. श्री सुरेश चन्द भाल्लेक व अन्य, ऐडगेवर्थ, छोटा शिमला। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व बिल्डिंग जो ऐडगेवर्थ के नाम से जानी जाती है और जो स्टेशन बाई, छोटा शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 244, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एस एम एन/12/79-80—अतः मुझे आर०
के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 72 कनाल 16
मरले है तथा जो गांव बहमना सब-तहसील समाना, जिला
पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
समाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 5/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरहरि सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, गांव बहमना
सब-तहसील समाना, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री सेवा सिंह पुत्र श्री गुरहरि सिंह, वासी गांव
बहमना, सब-तहसील समाना, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 72 कनाल 16 मरलें है और
जो गांव बहमना, सब-तहसील समाना, जिला पटियाला में
स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 280, मई, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० एस आर डी/3/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 बिघा 18
विसवा है तथा जो गांव बलाहड़ी तहसील सरहिन्द में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरजन सिंह पुत्र श्री महा सिंह वासी बलाहड़ी
खुर्द, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री गमवूर सिंह, चरनजीत सिंह पुत्र राय सिंह
वासी गांव बलाहड़ी, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 बिघा 18 विसवा है और जो
गांव बलाहड़ी खुर्द, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के
कार्यालय के विलेख संख्या 66, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० डी बी एस/4/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 कनाल 12
मरले है तथा जो गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेराबस्सी,
जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अक्की बेबी पत्नी श्री द्वारका दास
श्री संकर दास वासी भवात तहसील खरड़ जिला रोहड़।
(अन्तरक)

2. श्री हीरा लाल सिबल पुत्र श्री डी० डी० सिबल
वासी 29, सेक्टर 5, चण्डीगढ़।

श्री आर० के० नन्दा पुत्र श्री एम० एल० नन्दा वासी
16 बैलबडेर रोड़, कलकत्ता-27 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 कनाल 12 मरले है और
जो गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेराबस्सी, जिला पटियाला
में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी
के कार्यालय के विलेख संख्या 110, मई, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० डी० बी० एस०/22/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 विघा है तथा
जो गांव जड़ोत, सब-तहसील डेरा बस्ती, जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
डेरा बस्ती में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री हाकम सिंह, राम करन, राम सिंह पुत्र
श्री प्रीतम सिंह आफ जड़ोत वासी, गांव करघान, तहसील
व जिला अम्बाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री रत्न सिंह, निर्मल सिंह, गुरमेल सिंह पुत्र
श्री नारंग सिंह, श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र भागसिंह, वासी
गांव बटोली, सब-तहसील डेरा बस्ती, जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख
से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त
होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 विघा है और जो गांव जड़ोत
सब-तहसील डेरा बस्ती, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्ती
के कार्यालय के विलेख संख्या 254, मई, 1979 में दर्ज
है) ।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-12-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निवेश सं० एनबीए०/34/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा
जो गांव पैदन तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक का न कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेव सिंह पुत्र श्रीमती निहाल कौर पत्नी
श्री हरदित सिंह गांव बालपुर, तहसील सरहिन्द, जिला
पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री परमजीत सिंह, सुरिन्दर सिंह, बलजीत सिंह
बलजिन्दर सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र विशन सिंह, वासी
गांव पैदन, तहसील नाभा, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वािबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है और जो गांव पैदन,
तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के
कार्यालय के विलेख संख्या 471, मई, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० सीएचडी०/13/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग अधूरी बिल्डिंग नं० 73, इंडस्ट्री नं० 81 है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री रघवीर सिंह, चतर सिंह पुत्र स्व० श्री जगत सिंह, वासी 240/9सी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सीता बन्ती पत्नी मोहन सिंह, श्रीमती बीबा बक्शी पत्नी अमरजीत सिंह, गोविन्दसिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, वासी मकान नं० 120, सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़।

(2) श्रीमती गुरबिन्दर कौर पत्नी हरमोहिन्दर सिंह, श्री जतिन्दर सिंह पुत्र श्री हरमोहिन्दर सिंह, वासी 141, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग अधूरी बिल्डिंग नं० 73, इंडस्ट्री नं० 81, इंडस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 50, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० डीएल एच०/1/79-80—अतः मझे,
आर० के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० दिवान लॉज, नार्थ ब्लाक, पंजपुल्ला रोड़
है तथा जो डल्हौजी में स्थित है (और इससे उपाय अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, डल्हौजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि पचापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे
व्ययमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री इकबाल नाथ खोसला पुत्र स्व० श्री प्रेम नाथ
खोसला द्वारा जनरल अटारनी श्री सोम नाथ खोसला पुत्र
स्व० श्री प्रेम नाथ खोसला, वासी दीवान लॉज, जी० पी०
ओ० पंजपुल्ला रोड़, डल्हौजी। (अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता महाजन पत्नी श्री शोरी लाल महाजन,
वासी दीवान लॉज, पुन्जपुल्ला रोड़, डल्हौजी। (अन्तरिती)

4. श्री मनमोहन नाथ खोसला, श्री सोम नाथ खोसला
पुत्र श्री प्रेम नाथ खोसला, वासी दीवान लॉज, पंजपुल्ला
रोड़, डल्हौजी। (हि० प्र०) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवन्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दिवान लॉज, नार्थ ब्लाक, पंजपुल्ला रोड़, डल्हौजी।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डल्हौजी
के कार्यालय के विलेख संख्या 62, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रकाश आर्हो टी० एन० एन० ———

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० डीएलएच०/2/79-80—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दिवान लॉज साऊथ ब्लॉक, पुंजपुल्ला रोड़ है तथा जो डल्हौजी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डल्हौजी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत्, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें वचन में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहाय के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—416G1/79

1. श्री सोम नाथ खोमला पुत्र स्व० श्री प्रेम नाथ खोसला, दिवान लॉज, जी०पी०आर०, पुंजपुल्ला रोड़, डल्हौजी (हि० प्र०) ।

2. श्रीमती कांता महाजन पत्नी श्री शोरी लाल महाजन, दिवान लॉज, पुंजपुल्ला रोड़, डल्हौजी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दिवान लॉज, साऊथ ब्लॉक, पुंजपुल्ला रोड़, डल्हौजी (हि० प्र०) ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डल्हौजी के कार्यालय के विलेख संख्या 63, अप्रैल, 1979 में दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० डी वी एस/1/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 कनाल 12
मरले है तथा जो गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी,
जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अक्की देवी पत्नी श्री वपारका दास पुत्र
श्री संकर दाग दासी भयान तहसील खरड, जिला रोपड़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा नन्द पत्नी श्री पी० के० नन्द, वामी
16-बैल बडेल रोड, कलकत्ता-27, श्री हीरा लाल सिबल,
वकील पुत्र श्री डी० डी० सिबल वासी 29/5, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोध्यावासी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 33) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 कनाल 12 मरले है और
जो गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला
में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी
के कार्यालय के विलेख संख्या 65, मई, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

शरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० एस आर डी/9/79-80—अतः सुझे, आर० के० मल्होत्रा,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव नरैनपुरा उर्फ नरैनपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कारण उक्त अन्तरक के लिए तय दृश्यमान प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरक लिखित में सार्वजनिक स्था से कथित नहीं कि। गया है :—

(क) अन्तरक के हुई किसी आय का राजस्व, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शर्तों के तहत कर देना के उद्देश्य में सूचना के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त कार्यालय की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर सुरिन्दरपाल सिंह, अमरपाल सिंह पुत्र श्री श्री राजिन्दर सिंह वासी बेहराडून, खेबटदार गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री सुखबीर सिंह, राजबीर सिंह, विक्रमबीर सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह, वासी गांव खानपुर, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचलन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है और जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 170, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एस आर डी/7/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर सुरिन्दर पाल सिंह, अमरपाल सिंह पुत्र श्री राजिन्दर सिंह वासी देहरादून खेवटदार नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री जगदेव सिंह, हरभजन सिंह पुत्र मोहन सिंह वासी गांव खानपुर, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है और जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 168, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तृतीय अर्थ आयकर प्रांशन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम आर डी/8/79-80—अतः मझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर परिचर, 193' (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन मझे, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वायत्तता, जहाँ उक्त बाजार मूल्य 25,000/ रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 12
मरले है तथा जो नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द
जिला पटियाला में स्थित है (और इसके उपरान्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के तम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान
प्रतिफल या, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का संश्लेषण अतिरिक्त अधिक है
और अन्तरित (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए उचित बाजार मूल्य निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं
किया गया है:—

1. मेजर सुरिन्दरपाल सिंह, अमरपाल सिंह पुत्र
श्री राजिन्दर सिंह, वासी देहरादून खेवटदार गांव नरैनपुरा
उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2 श्री तरिन्दर सिंह पुत्र श्री हरबन्ध सिंह, गांव
खानपुर तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) प्रत्येक नई किसी प्राय की बाधा, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में लगे करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 12 मरले है और
जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला
पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द
के कार्यालय के विलेख संख्या 169, अप्रैल, 1979 में
दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एस० आर० डी०/6/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द, से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था पाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेजर मुरिन्दर पाल सिंह, अमरपाल सिंह पुत्र श्री राजिन्दर सिंह वासी देहरादून खेवटदार नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री सतनाम सिंह पुत्र नन्छतर सिंह वामी गांव—खानपुर, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 12 मरले है और जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 167, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० पी टी ए/6/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 19
मरले है तथा जो गांव डडो, तहसील व जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गंगीर सिंह पुत्र श्री विशन सिंह गांव डडो,
तहसील पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर सिंह, मल सिंह पुत्र श्री बचन सिंह
वासी डडो, तहसील व जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 19 मरले है और
जो गांव डडो, तहसील व जिला पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 81, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर 1979

मोहरः।

प्ररूप आई० टी० ए०/8/79-80—अतः मुझे आर०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० पी टी ए/8/79-80—अतः मुझे आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 19
मरले है और जो गांव डडो तहसील व जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दरमाना प्रतिकर के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तर (अन्तरों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एक अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित
उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से तथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में लगी करने या उतरी बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जंसीर सिंह पुत्र श्री विंशन सिंह बासी गांव
डडो तहसील व जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री ईशर सिंह, लाल सिंह पुत्र श्री बचन सिंह
बासी गांव डडो, तहसील व जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्रकाश होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में लिए जा सकेंगे।

स्वादीकरण :— इसमें पुराना गधों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 19 मरले है और
जो गांव डडो, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 130, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा

मक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रकरण धार्मिक, टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निवेश सं० पी टी ए/20/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिल दुकान सं० 3482/2 है तथा
जो सरहिन्दी बाजार, पटियाला में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरनियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में प्रवृत्ति के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वस्तु या प्रत्येक वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वस्तु-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि वा
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—416GI/79

1. श्री कलहराम पुत्र श्री चरणजी लाल वासी सरहिन्दी
बाजार, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्रीमती शांता देवी पत्नी श्री दीपक मादान, रमेश
मादान पुत्र चेतन दास वासी सरहिन्दी बाजार, पटियाला।
(अन्तरिणी)

3. श्री हनु राज वासी दुकान नं० 3482/2, पहली
मंजिल, सरहिन्दी बाजार, पटियाला। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोष्टाक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3482/2, सरहिन्दी बाजार, पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 427, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० बी पी एन/92/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन तत्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 2 मरले है तथा जो बरनाला, तहसील बरनाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपर्युक्त दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्ना प्रतियोग से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रवीण कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य भास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र रुड़ सिंह, जन्डा वाला रोड, नजदीक राधा स्वामी भवन, बरनाला। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सवरन कौर मारफत सुखदेव सिंह (क्लक, फूड व सप्लाय आफिस, पटियाला), वार्ड सं० 4, कच्चा कालेज रोड, नजदीक आफिस, बरनाला।

(2) सर्वश्री कर्म सिंह, मंगल सिंह, अमरजीत सिंह पुत्र दलीप सिंह टलर मास्टर, मकान नं० बी-10-376, वार्ड नं० 5, नजदीक बस स्टैंड, बरनाला।

(3) श्री जीत सिंह पुत्र जगर सिंह, समार्टे टेलरज, चौड़ा मोर्चा बाजार, बरनाला।

(4) श्री दर्शन सिंह केनथ पुत्र भाग सिंह, सन्धू पट्टी, मकान नं० बी-5-394, बरनाला

(5) श्री राम गोपाल पुत्र श्री बाडू राम, झाईग टीनर, गा० झाई स्कूल, गांव धनौला, तहसील बरनाला।

(6) श्री ज्ञान चन्द पुत्र बूज लाल गुप्ता, चीफ बुकिंग क्लर्क, रेलवे स्टेशन बरनाला।

(7) श्री भूषण कुमार पुत्र ओम प्रकाश पंडित मकान नं० बी-10-258, पुरानी सन्जी मण्डी, कालज रोड, बरनाला।

(8) श्री मनीश कुमार पुत्र जगत नाथ, गोल्ड स्मीथ, मेन बाजार, गांव धनौला, तहसील बरनाला।

(9) श्री प्रेम कुमार पुत्र श्री चेत राम, लबारिया मोहल्ला, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज, गांव धनौला।

(10) श्रीमती इन्दिरा देवी पत्नी सख चन्द गांव व डा० हरिगढ़, वाया धनौला तहसील बरनाला।

(11) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी दया कृष्ण बरनाला मारफत श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र रुड़ सिंह, जन्डा वाला रोड, नजदीक राधा स्वामी भवन, बरनाला।

(12) श्रीमती स्वीती देवी पत्नी गोविन्द राम धनौला मारफत श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र रुड़ सिंह, जन्डा वाला रोड, नजदीक राधा स्वामी भवन, बरनाला। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 2 मरले है और जो राधा स्वामी भवन, बरनाला में स्थित है।

(जायदाद जसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला के कार्यालय के विलेख सं० 3884, जून, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल डी एच/39/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3-बी का भाग जिसका क्षेत्रफल
1000 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' एक्सटेंशन
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री सुधीर कुमार भल्ला व रजिन्दर कुमार
भल्ला पुत्र श्री धर्म प्रकाश भल्ला वासी 25 ग्रीन पार्क,
लुधियाना। (अन्तरक)

2. मैसर्स राम सहाय अग्रवाल एण्ड सन्स, दाल बाजार,
लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3-बी का भाग जिसका क्षेत्रफल 1000
वर्ग गज है और जो इण्डस्ट्रियल एरिया 'ए' एक्सटेंशन
लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना,
के कार्यालय के विलेख संख्या 395, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० लुधियाना/50/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2-बी, क्षेत्रफल 400 वर्गगज है तथा जो गुप्ता रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सन्तोष सिंह पुत्र जरनैल सिंह पुत्र बाबू सिंह वासी जेडियाला तह०—फिलौर, जिला जालंधर अब जैनीलग रोड़, साउथ हाल मिडिल सेक्स द्वारा श्री पवित्तर सिंह पुत्र श्री मस्तान सिंह। (अन्तरक)

2. श्री गुरबक्श सिंह पुत्र श्री किशन सिंह द्वारा मै० क्वालटी साईटिफिक डायरज, गुप्ता रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 बी जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है और जो गुप्ता रोड इन्डस्ट्रियल 'ए' लुधियाना में स्थित है। (संपत्ति जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख संख्या 532, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निवेष्ट सं० लुधि०/172/79-80—अतः मुझे, आर०

के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जो गुप्ता रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना नं० 2 'ए' में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन सम्पत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री संतोख सिंह, बासी जन्डियाला तहसील फिलौर जिला जालंधर अब 87—जैनी-लग रोड, माऊथ हाल, मिडल सेक्स द्वारा श्री पवित्तर सिंह पुत्र मस्तान सिंह। (अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री गुरबक्श सिंह पुत्र श्री किरन सिंह द्वारा मै० क्वाल्टी साईटीफिक आयरन, 2 ए, गुप्ता रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्तियों के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यथा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2-ए जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो गुप्ता रोड इण्डस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना में स्थित है। (सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 1858, जून 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मल्होत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर 1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एन बी ए/12/79-80—प्रतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बिघा 7 बिसवा है तथा जो गांव अमेती, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती तारा रानी वनाम् तारा देवी पुत्री श्री बसंत राय अब पत्नी श्री सरवजीत राय वासी गांव अमेती, द्वारा जनरल अटारनी श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री बसंत राय।

(2) सरवेश कुमार वनाम् सुदेश कुमार पुत्र विश्वामितर पुत्र रत्न चन्द वासी गांव राहों जिला जालन्धर, द्वारा जनरल अटारनी, श्री ज्ञान चन्द पुत्र बसंत राय,

(3) सवाराज कुमारी, सुरक्षा देवी गरेंड डोटरज आफ श्री बसंत राय व पुत्रियां श्री विश्वामितर पुत्र रत्न चन्द वासी राहों, जिला जालन्धर, द्वारा श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री बसंत राय। (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, अजमेर सिंह, भाग सिंह, निर्भय सिंह पुत्र साधु सिंह वासी गांव अमेती, तहसील नाभा, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बिघा 7 बिसवा है और जो गांव अमेती, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 220, मई, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० पी टी ए/13/79-80—अन: मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन मन्त्र आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद दुकान नं० 3475/2 है तथा जो
सरहिन्दी बाजार, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पथा
गया प्रतिष्ठान निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. सर्वश्री ज्ञान चन्द, रमेश चन्द, धनी राम पुत्र
श्री रोशन लाल गुप्ता, वासी सरहिन्दी बाजार, दशंनी गेट,
पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री अर्जन दास पुत्र श्री बलू राम, जनरल मरचेंट
3475/2, सरहिन्दी बाजार, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय हो वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

जायदाद शाप नं० 3475/2, सरहिन्दी बाजार, पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 259, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

धन: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० ० एम० एल०/8/79-80—अतः मुझे,
आर० के० मलहोत्रा,घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी संख्या भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 10
विसवा है तथा जो कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-
तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4/79को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मंजूर करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी शाय या किसी घन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री लाभ सिंह पुत्र श्री अमर सिंह वासी गांव कुकड़
माजरा, सब तहसील अमलोह। (अन्तरक)2. श्री बाबू सिंह पुत्र सन्ता सिंह वासी लाड़पुर, सब-
तहसील अमलोह, जिला पटियाला। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।शरटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 10 विसवा है और
जो गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला
में स्थित है।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के
कार्यालय के विलेख संख्या 74, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

मोहर:

प्रारूप अर्द्ध० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० पी टी ए/14/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव डिल, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिन्नी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्राप्ति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अतिरिक्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिन्नी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

8—416 GI/79

1. श्री हरमीत सिंह पुत्र श्री हरदियाल सिंह वासी 5-ई बागदरी, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री गुरुजीत सिंह पुत्र राम नारायण व श्रीमती रमेश कुमारी पुत्री चिमन लाल वासी गांव डिल, तहसील पटियाला। (अन्तरिन्नी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोधनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 10 मरले है और जो गांव डिल, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 339, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्रमाण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० ए एम एल/1/79-80-अमः भूमे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 12 विसवा है तथा जो गांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा सिंह पुत्र अमर सिंह बामी कुकड़ माजरा सब-तहसील अमलोह जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री बलदेव कुमार पुत्र श्री घनशाम दाम बासी मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 12 विसवा है और जो गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 12 अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाष्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एस आर डी/15/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बिघा 1/2 बिसबा है तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक. (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धाय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री कमल दत्त पुत्र श्री धर्मपाल पुत्र गन्डा मल, वासी गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री बचन सिंह पुत्र चनन सिंह पुत्र श्री रोड़ा सिंह वासी गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बिघा 1/2 बिसबा है और जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 223, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम आर डी/14/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बिघा 1/2
बिसवा है तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वावक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देन के अन्तरक के बाविलेख में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री धर्म पाल पुत्र श्री गन्डा मल पुत्र श्री जवाहर
मल, वासी गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला
(अन्तरक)

2. श्रीमती मलकियत कौर पत्नी श्री बन्धन सिंह पुत्र
चनन सिंह वासी गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला
पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां कराया हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—उपरोक्त सूचनाओं और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रमाण 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही प्रबंध होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बिघा 1/2 बिसवा है और
जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में
स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के
कार्यालय के विलेख संख्या 222, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एस आर डी/53/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 बिघा है तथा
जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बदरी नाथ पुत्र श्री मन्त राम, गांव अजनाली
तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री दरबारा सिंह, वासी कुकड़
माजरा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

ता यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के लिए
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित हो तारीख से
45 दिन को प्रत्येक या सम्बन्धित व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को प्रत्येक, जो भी
अधिक बाद में प्राप्त होती हो, 6 महीने पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित हो तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विबद्ध
किसी प्रायः व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 बिघा है और जो गांव
अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।
(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के
कार्यालय के विलेख संख्या 713, मई, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० एम० एल०/7/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राजपत्र सार्वजनिकी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 13 बिसवा 4 बिसवांसी है तथा जो कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्द-गढ़, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमाणित हुई किसी आय की बावजूत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री लाभ सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, वासी गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री ज्ञानचन्द व श्री श्री संजीव कुमार पुत्र श्री मोहन लाल वासी मण्डी गोबिन्द-गढ़, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकियां शुरू करता हूं।

उक्त पध्दति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में के हित-वद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

माप्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 13 बिसवा 4 बिसवांसी है और जो गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील अमलोह में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 73, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर

प्रमाण आई० टी० एन० एम० ---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निवेदन सं० एस आर डी/50/79-80--अतः सूचे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 5 बिसवा है तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

1 श्री कर्तार सिंह पुत्र मीर्हा सिंह बामी गांव अजनाली तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री हरदेव सिंह बलदेव सिंह, सुखदेव सिंह, रणधीर सिंह पुत्र कर्तार सिंह बामी गांव कुकड़ गाजरा, सब-तहसील अमलोहा, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 5 बिसवा है और जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 672, मई, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सूक्ष्म प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एम डी एच/आर/1/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल है तथा जो गांव कुतनेवाल गुजरां, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. सर्वश्री जगजीत सिंह, मोहन सिंह, श्रीमती हरभजन कौर पुत्र व पुत्री श्री देवा सिंह पुत्र श्री जगह सिंह, ब्राउन रोड, लुधियाना द्वारा हरमन्दर सिंह पुत्र पंजाब सिंह, जनरल अटारनी वी-10-796 खुड मोहल्ला, ब्राउन रोड, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज करवल पत्नी श्री सत्या पाल करवल वामी 148/11-ए, चण्डीगढ़ द्वारा श्री सत्या पाल करवल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) उन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की प्राधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना को तारीख के 30 दिनों की प्राधि, जो भी प्राधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल है और जो गांव कुतनेवाल गुजरां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 51, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियानातारीख: 7 दिसम्बर, 1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

लार्दावा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० बरनाला/95/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन बाजार मूल्य 25 000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल है तथा
जो नजदीक राधा स्वामी भवन, बरनाला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से कम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अधिनियम के अधीन बाजार मूल्य में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया :—

(क) अन्तरण के लिए किसी आय से बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त कमी में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों के लिए :—

9—416GI/79

1. श्री साधु सिंह पुत्र श्री रुड़ सिंह जन्मवाला रोड़,
नजदीक राधा स्वामी भवन, बरनाला। (अन्तरक)

2. श्री कुलतार सिंह पुत्र श्री खेम सिंह बी-II-684/
वाई नं० 9, बरनाला, जिला संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल है जो राधा स्वामी
भवन, बरनाला के नजदीक स्थित है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला
के विलेख नं० 3887, जून 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० सरहिन्द/2/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) लुधियाना भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बिघा 15 बिसवा है तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और वह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह वासी गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हंसको स्टील, नसराली गेट मण्डी गोबिन्दगढ़, सब तहसील अमलोह, जिला पटियाला द्वारा श्री हंस राज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करती हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि-या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अवधि में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बिघा 15 बिसवा है और जो गांव अजनाली तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विवेक संख्या 50, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० अमलोह/4/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बिघा 1 बिसवा है तथा जो गांव जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धन्ना सिंह पुत्र जगतसिंह वासी गांव जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री रत्न चन्द पुत्र श्री चरनजी लाल, श्री धनबन्त राय पुत्र फकीर चन्द, श्रीमती मन्तोष कुमारी पत्नी राजिन्दर कुमार, श्री नरिन्दर कुमार पुत्र श्री भगवान दास वासी गांव जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 39 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बिघा 1 बिसवा है और जो गांव जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विवेक संख्या 24, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० पटियाला/16/79-80—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि, गोदाम व मकान बिल्डिंग है तथा
जो सनोरी रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79
को पूर्वोक्त अधिनियम के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन धारितियों को;
अर्जित आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, पक्षों :—

1. श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री देव भरत, वासी सनोरी
रोड, पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री चन्दा सिंह, मुक्तयार सिंह पुत्र श्री नाहर
सिंह, गांव कुलू भाजरा, व श्रीमती परमिन्दर कौर पुत्री
श्री ईशर सिंह, श्रीमती रनजीत कौर पुत्री श्री मोहर सिंह
वासी पटियाला। (अन्तरिती)

3. श्री प्रिया व्रत पुत्र देव व्रत, फार्म हाउस, सनोरी
रोड, पटियाला। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शब्द में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँ-जहाँ के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

भूमि, गोदाम व मकान बिल्डिंग के साथ जो सनोरी
रोड, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 368, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० नाभा/6/79-80—प्रतः मुझे आर० के० मलहोत्रा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सश्रम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुप
से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 790, है तथा जो सिनेमा
रोड, नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अक्षरों की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अक्षरों के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरों में लिखित में
वास्तविक रूप में नहीं किया गया है :—

(क) अक्षरों से हुई किसी धाय को बावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के प्रस्ताव के दायित्व में कभी
करने या उसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती परमजीत कौर विधवा श्री बचितर सिंह,
श्री जगमिन्दर मिह, इन्दरजीत सिंह, मतबन्त सिंह
माईनर पुत्र श्री बचितर सिंह;
कुलजीत कौर पुत्री (माईनर) श्री बचितर सिंह,
द्वारा श्रीमती परमजीत कौर,
श्री करतार कौर विधवा श्री गुरदियाल सिंह,
वाती सिनेमा रोड, नाभा।

(अन्तरक)

(2) श्री विद्या रत्न, श्री रजिन्दर कुमार पुत्र श्री टु
दास,
वासी बांगों स्ट्रीट, नाभा, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 60
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दिये गये किसी
यथ्य व्यक्ति द्वारा, यथावश्यकतों के प्राप लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 790, जो सिनेमा रोड, नाभा में
स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय
के विलेख संख्या 128, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सश्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 7-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० नाभा/4/79-80—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 790, है तथा जो सिनेमा रोड, नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविरब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती करतार कौर विधवा श्री गुरदियाल सिंह, वासी सिनेमा रोड, नाभा

(अन्तरक)

(2) श्री राजकुमारपुत्र श्री ठाकर दासपुत्र श्री गुजरमल, वासी बांसां स्ट्रीट, नाभा, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एवबड़ीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 790, जो सिनेमा रोड, नाभा में स्थित है।

(गोपबहादुर जैमाल रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 118, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-12-1979

मोहर :

प्रश्न आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० अमलोह/9/79-80—अतः भूमि आर० के० मलहोत्रा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी, डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अप्राप्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के बाबिले-में कमी करने या उसमें बचने के बुनिया के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धा या अन्य परिस्थितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मेहर सिंह पुत्र श्री पाखर सिंह वासी डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नवयुग स्टील कारपोरेशन द्वारा श्री प्रेम सिंह गुरुकी नगरी, डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमलोह

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा है और जो गुरु की नगरी डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 77, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० अमलोह/5/79-80—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बिघा 7½ बिस्वा है तथा जो गुरु की नगरी, डहरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मेहर सिंह पुत्र श्री पाखर सिंह वासी डहरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला

(अन्तरक)

(2) मैमर्स गुरु राम दाम आईरन व स्टील रोलिंग मिलज, गुरु की नगरी, डहरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह,

द्वारा श्री किरपाल सिंह, पार्टनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बिघा 7½ बिस्वा है और जो गुरु की नगरी, डहरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विनेख संख्या 64, अर्जन 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 7-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना कार्यालय

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश नं० पटियाला/22/79-80—अतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 15-ए (1), जिसका क्षेत्रफल 1492 वर्ग गज है, तथा जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

10—416GI/79

1. श्रीमति हरबन्स कौर पुत्री श्री ध्यान सिंह वासी बी-66, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह, 741/3, मोहल्ला खालसा, पटियाला

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15-ए (1), जिसका क्षेत्रफल 1492 वर्ग गज है और जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 434, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना, कार्यालय

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० पटियाला/24/79-80—यतः, मुझे, धार० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-ग (2) जिसका क्षेत्रफल 1668 वर्ग गज है, तथा जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने सुविधा के लिए;

धनः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षातः :—

1. श्रीमति हरबन्स कौर पुत्री श्री ध्यान सिंह वासी बी-66, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्रीमति मोहिन्दर कौर पत्नी श्री अवतार सिंह 741/3, मोहल्ला खालसा, पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ध्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15-ग (2) जिसका क्षेत्रफल 1668 वर्ग गज है और जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 449, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

धार० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० खरड़/5/79-80—यतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० भूमि 12 कनाल 12 मरले, पोलटरी शेड के साथ है, तथा जो गांव भागो माजरा, तहसील खरड़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रेशन, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्त में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रयोग विनियमित बक्तियों, अर्थातः—

1. श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री जीत सिंह पुत्र श्री भोला सिंह मान नं० 1113, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ (29-सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़)

(अन्तरक)

3. श्रीमति मुरजीत कौर पत्नी श्री अवतार सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, वासी 1172, सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सस्पेंशन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 12 कनाल 12 मरले पोलटरी शेड के साथ जो गांव भागो माजरा, तहसील खरड़ में स्थित है।

(आयदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 346, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 दिसम्बर, 1979।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/19/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3312, है, तथा जो सैक्टर 27-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दरहक से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी राशि की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छुपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित:—

1. श्रीमति मोहिन्दरपाल कौर विधवा ल० के० रणधीर सिंह, श्री देविन्दर सिंह पुत्र श्री रणधीर सिंह, कुमारी राविन्दर कौर पुत्री ल० के० रणधीर सिंह वासी क्वार्टर नं० 3, पोलिस स्टेशन, सैक्टर 26, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

2. श्री तिलक राज टन्डन पुत्र श्री जगन लाल वासी मकान नं० बी-67, सी० एस० आई० ओ० कालोनी, सैक्टर 30, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धाधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3312, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 78, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 दिसम्बर, 1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/22/79-80---यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 1471 है, तथा जो सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम चन्द महाजन पुत्र श्री हुनी चन्द महाजन, वासी 1471 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

2. श्रीमति उमिला सुद पत्नी श्री सतपाल सुद, द्वारा जनरल अटारनी श्री एम० डी० सुद पुत्र श्री जगत राम सुद, वासी मकान नं० 1645, सैक्टर 22 बी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

3. 1. श्री राम चन्द महाजन पुत्र श्री हुनी चन्द महाजन,

2. श्री पुनीत पाल,

3. श्रीमति कृष्णा अबरोल, पहली मंजिल,

4. श्री चमन लाल अबरोल,

5. श्री अमीर चन्द,

6. श्रीमति केमरा देवी,

7. श्रीमति कृष्णा ओबराय,

सारे वासी 1471, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेप:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 1471, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।
(जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलोख मंख्या 92, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 15-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/25/79-80---यतः, मुझे, मुख्तियार चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1740, है, तथा जो सैक्टर 34-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. नारैब सुन्दर गुरमीत सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह मारफत 371, निगमन रेजीमेंट मारफत 99 ए० पी० ओ० द्वारा स्पेशल अटारनी श्री चन्द मोहन पुत्र श्री इणर दाम, बामी 1925, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्रीमति बलवीर कौर पत्नी के० डी० एम० ओबराय, बामी 1740, सैक्टर 4-डी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय के 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1740, जिसका क्षेत्रफल 253.50 वर्ग गज है और जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(ज्यादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 96, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

मुख्तियार चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-12-1979

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्णय सं० चण्डीगढ़/16/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी हूँ, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1417 है, तथा जो सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐतन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. पतैट ल० अमरजीत सिंह चावला पुत्र श्री मरूप सिंह चावला मारफन मकान नं० 1104, सैक्टर 23-बी, चण्डीगढ़ द्वारा स्थानल अटारनी श्री भगवान दाम बेक्टर पुत्र श्री हरदयाल चन्द बेक्टर, बामी 1104, सैक्टर 23-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमति उमिला बेक्टर पत्नी श्री भगवान दाम बेक्टर बामी मकान नं० 1104, सैक्टर 23-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1417, जिसका क्षेत्रफल 338 वर्ग गज है और जो सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 59 अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/24/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3383 है, तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूपा में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री उत्तम सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह बामी आई० जी०-30-एन० आई० टी०, कन्याण सिंह चौक, फरीदाबाद, हरियाणा।

(अन्तरक)

2. श्री अमर सिंह पुत्र श्री माधू राम, बामी मकान नं० 3050, सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3383, जिसका क्षेत्रफल 169 वर्ग गज है और जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 94, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/32/79-80—यलः, सुखदेव
चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रंज,
लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 1471 है तथा जो सैक्टर
22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—416 G1/79

1. श्री नरिन्दर नाथ महाजन, वासी 1471, सैक्टर 22-बी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री एस० डी० सूद पुत्र श्री जगन राम सुद, वासी 1471,
सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. 1. श्री राम चन्द महाजन पुत्र श्री बुनी चन्द महाजन,

2. श्री पुनीत पाल,

3. श्रीमति कृष्णा अश्वरोन, पहली मंजिल,

4. श्री चमन लाल अश्वरोल,

5. श्री अमीर चन्द,

6. श्रीमति केशरा देवी,

7. श्रीमति कृष्णा श्रोत्राय,

सारे वासी 1471, सैक्टर, 22-बी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

1/2 भाग मकान नं० 1471, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(जावेदाज जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 154, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख : 15-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० धूरी/1-ए/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बिघा 4 बिसवा है, तथा जो गांव बालिया, सब-तहसील धूरी में स्थित है (और इसने उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, धूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हजूर सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, वासी गांव बालिया सब-तहसील धूरी।
(अन्तरक)

2. श्री परमट सिंह पुत्र श्री जगरूप सिंह, श्री लखमीर सिंह पुत्र श्री राम सिंह, श्री प्रदीप सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह, वासी गांव बालिया, सब-तहसील धूरी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बिघा 4 बिसवा है और जो गांव बालिया, सब-तहसील धूरी में स्थित है।

(जायेदाद) जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, धूरी के कार्यालय के विलेख सं० 944, अप्रैल, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,
समम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-12-79

मोहर :

कल आई. टी. एन. एन.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० खरड़/8/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 50 बीघा है, तथा जो कुराड़ी, तहसील खरड़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979 को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अल्प-भास्तिषों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत :—

1. श्री जरनैल सिंह रानी पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह, श्री उजागर सिंह, कर्म सिंह, चरण सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह वासी दोलतपुर, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला (अन्तरक)

2. श्री किरती सिंह बेदी पुत्र श्री कन्वर धनवंत सिंह बेदी, पुत्र राजा गुरबक्स सिंह वासी ए-13, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 50 बीघा है और जो कुराड़ी, तहसील खरड़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख सं० 345, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/8/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसको प्लॉट नं० 1303 है, तथा जो सैक्टर 33सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-होती-अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

1. डाक्टर चैन सिंह पुत्र श्री तारा सिंह निवासी रफीदा जिजा जींद, द्वारा अटारनी श्री हरी सिंह रंधावा पुत्र हाकिम सिंह निवासी मकान नं० 1239, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरुबचन कौर रंधावा पत्नी श्री हरी सिंह रंधावा, निवासी मकान नं० 1239, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1303, सैक्टर 33-सी चण्डीगढ़।

(जायेदाह जैता कि रजिस्ट्री-होती-अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के लेख संख्या 30, अप्रैल 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 17-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना कार्यालय

लुधियाना, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० अहमदगढ़/2/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना सहायक आयकर आयुक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उब्जा बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है, तथा जो केसर भुल्ला, मण्डी अहमदगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अग्रेल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 डा० शिवराम राज पुत्र श्री भोगा राम उर्फ बाधा राज बासी अहमदगढ़

(अन्तरक)

2. नानकसर मठ ईशर दरबार, मचा, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली-48, द्वारा सन्त बाबा श्रमर सिंह जी, पुत्र श्री बहादुर सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह द्वारा श्री प्यारा सिंह निधु पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह बासीब डूँदी जिला लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद से बनाएँ होती है, के मोर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जहाँ के कर भुल्ला, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज मण्डी अहमदगढ़ में स्थित है।

(सम्पत्ति जहाँ कि रजिस्ट्रीकरण अधिनियम अहमदगढ़ के विनय संख्या 374 जो कि 4/79 का है, में दिखाया गया है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 26-12-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० अहमदगढ़/1/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है, तथा जो केशर मुहल्ला, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज, मण्डी अहमदगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रस्तावित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी प्रायः का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के बाविल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. डा० तिलक राज पुत्र श्री भोगा राम उर्फ आधा राज वासी अहमद गढ़ ।

(अन्तरक)

2. नानकसर ठठ ईशर दरबार, म-41, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली-48, द्वारा सन्त बाबा अमर सिंह जी पुत्र श्री बल्लुवर सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह द्वारा श्री प्यारा सिंह मिश्र पुत्र श्री मधु सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह वासी बडुन्दी जिला लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी पात्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोदस्ताखरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रामुख्य शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रयुक्त होगा जो उप अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि केशर मुहल्ला, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज, मण्डी अहमद गढ़ ।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के लेखा संख्या 357 जो कि 4/79 का है, में दिखाया गया है) ।

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 26-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 942—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या है, तथा जो विजयवाड़ा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम में, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 9-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्-
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चुक्कपल्लि तिरुमलराव गांधीनगर, विजय-
वाड़ा (अन्तरक)

(2) मैसर्स पापुलर शू मार्ट, विजयवाड़ा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2314 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 10-10-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा तारीख 6 सितम्बर 1979

निदेश सं० 918—यतः मुझे, के० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 8 है, जो पिठापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, उसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी धारा की जाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम में कर्षा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कितने अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

(1) श्री डी० वी० एस० रंगाराव पिठापुरम (अन्तरक)

(2) (1) एम० सत्यवती (2) एम० सोमराजु, पेठापुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में द्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतिलिखित :—इसमें पर्युक्त गणों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 571 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-79
मोहर :

प्रथम आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, तारीख 19 नवम्बर 1979,

निर्देश सं० 953—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 7-3-17 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1909 का 18) के अधीन, तारीख 21-
4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-416GI/79

1. (1) श्री आलामूरी सूर्यनारायण (2) आलामूरी
सीतारामालक्ष्मी, द्वारापूड़ी (अन्तरक)
2. श्री चित्तूरी रामाकृष्णा काकीनाडा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उसके संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाब में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-
79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० में 2089 में निगमित अनुसूची
संपत्ति ।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, तारीख 19 नवम्बर 1979

निवेश सं० 954—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-3-17 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) आलामूरी सूर्यनारायणा (2) आलामूरी सीतारामालक्ष्मी द्वारपूड़ी (अन्तरक)

2. श्री चित्तूरी रामाकृष्णा, काकीनाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2090 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, तारीख 19 नवम्बर 1979

सं० 955—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये है अखिल है

और जिसकी सं० 23-11-98 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-4-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अखि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

1. (1) श्रीमती गोपालुनि कृष्णावेणम्मा (2) गोपालु
बेंकटा भोगेस्वराराव (3) जी० टी० वी० एल०
एन० सर्मा (4) जी० अजयकुमार, विजयवाड़ा
(अन्तरक)

2. श्रीमती दरिबेमुला नलगवा लक्ष्मी नरसु
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रकरण 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रकरण में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2665 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-79

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, तारीख 19 नवम्बर 1979

सं० 956—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23-11-98 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-4-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती गोपालनी कुण्णावेणम्मा (2) श्री गोपालनी वेंकटा भोगेस्वाराव (3) जि० टि० बि० एल० एन० शर्मा, (माइनर) (4) जी० अजय कुमार (माइनर), विजयवाड़ा (अन्तरक)

2. श्रीमती वरिवेमूला लक्ष्मीकुमारी, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी के पाक्षिक अंत 15-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2104 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-79
मोहर:

प्रकरण चौद्दहें टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 249-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 957—यतः मुझे बि० बि० सुब्बाराव आयकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है,) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उल्लिखित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उदाहरण में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1980 का 16) के अधीन 9-4-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री तम्मिना सत्यनारायणा, विजयवाड़ा (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भारतीजी जीतेन्द्र पारेख, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2328 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० बि० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 958—यतः मुझे, बि० वि० मुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 11-12-28 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण में हुई किसी धाव की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री तम्मिना अम्बुताराव, विजयवाड़ा
(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीणा रमण पारेख, विजयवाड़ा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धावेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पना परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2329 में निगमित अनुसूची संपत्ति

बि० वि० मुब्बाराव,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-79
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निदेश सं० 959—यसः मुझे बि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 अप्रैल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कोनेरू रामचन्द्रराव, विजयवाड़ा
(अन्तरक)

(2) श्री कोनेरू गांधी, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2760 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-79
मोहर:

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 980—यशः मुझे, वि० वि० सुब्बाराव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन संश्लेष प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुरुपयन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुरुपयन प्रतिफल से, ऐसे दुरुपयन प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य प्राय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधकर्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किवा जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सूरिसेट्टी लक्ष्मीकान्तम्मा (2) श्री शिवाजी (3) श्री विठल (4) श्री रामकृष्ण (5) कुमारी वरमावती (6) कुमारी रमादेवी (7) कुमारी सरोजा (8) कुमारी कादूरुगुड कनका दुर्गा (9) यरुमसेट्टि सांसीरानी (10) बोपाना श्रीलक्ष्मी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रत्नराजू वरमावती, विजयनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करत हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रतीति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके बाद की अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बरत में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोधकर्ता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 30-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अनुच्छेद में दिया गया है।

प्रमुखी

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी सं० पाक्षिक अंश 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2574 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 964—यतः मुखे, बि० वि० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—416GI/79

(1) श्री किलारु बसवा पूर्ण चंद्रराव, डाकिपरु, कृष्ण जिला। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सान्निकोम्मु आदि लक्ष्मी, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2565 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 961, यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वंडमुडि अनसुयादेवी, तन्नेरु गांव गन्ना-वरम तालूक। (अन्तरक)

(2) श्री रवि कोटेश्वरा, विजयवाड़ा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वी धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-4-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2582 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 962—यतः मुझे, बी० बी० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 29-1-2 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री टी० माकडेया सास्ती, विजयवाड़ा।
(अन्तरक)
- (2) (i) श्री बी० राजगोपालराव, विजयवाड़ा (ii)
बी० वीरभद्राराव, विजयवाड़ा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंतः 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2413 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव,
सश्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979

मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 983—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव,
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24-3-24/3 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अप्रल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर्यवा

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था;
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री चलमालासेट्टि सीतारामय्या, विजयवाड़ा।
(अन्तरक)
- (2) श्री दौलतराम सोमूजमल विजयवाड़ा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंतः 15-4-79
में पंजीकृत वस्तावेज नं० 2202 में निगमित अनु-
सूची संपत्ती।

बी० वी० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979

मोहर :

प्रकृप ग्राई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 965—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-52-20 है, जो गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिम्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री ए० चंद्रमोहन राव, नाजरपेट, तेनाली
- (ii) ए० वेंकटरमणाराव, बापटला (अन्तरक)।
2. श्रीमती कावूरी भारती देवी, गुंटूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रसोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंतः 30-4-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2220 और 2224 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

बी० वी० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979

मोहर :

प्रकृष प्राई० डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 966—यतः मूझे, वी० वी० सुब्बाराय
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०.....है, जो विनाखपतनम में स्थित है
(और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विनाखपतनम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय राशि का
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विधि में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी
करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) श्री वंडिपाटि वेणु गोपाल रेड्डी, विनाखपतनम।
(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती श्यामला चिस्टी, विनाखपतनम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वेषाकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विनाखपतनम रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्ति: अंतः 30-4-
1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2243 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

वी० वी० सुब्बाराय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 967—यतः मुझ बी० बी० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो राजामंड्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजामंड्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-4-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) लोगु बंगारम्मा, पत्नी श्री लक्ष्मण राव (2) लोगु वेंकटेश्वराव, (3) एन० चंद्रमोहाराव, (4) विजयलक्ष्मी पुत्री श्री लक्ष्मणराव (5) महेश्वरी, राजामंड्री। (अन्तरक)

(2) मेमर्स हिंदुस्तान इंडस्ट्रींग कार्पोरेशन कं० पार्टनर्स (1) मोहनलाल, (2) जुगगज, (3) भानक चन्द (4) देवीचंद, (5) बाई० भाजन, (6) बाई० लक्ष्मी (7) कैलाश कुमार, राजामंड्री। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में पतापन होगी हो, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोद्धानाशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजामंड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक ग्रंथ 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1934 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति

बी० बी० सुब्बाराव,
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, काकीनाडा।

तारीख : 19-11-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को द्वारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 968—यतः मुझे बी० बी० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को द्वारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० 11-3-1 है, जो साम्बामूर्थी स्ट्रीट काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरित्री (प्रस्तरित्रीयों) से बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बाधक विकल्प से उचित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय को बाधक उक्त अधिनियम के अधीन करने के प्रस्ताव के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजा बोम्मादेवरा श्रीरामा वेंकटायुलु पंगिडि एलूर तालुक बैस्ट गोवावरी जिला

(2) डाटला मॅरमनी, —काकीनाडा (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योतुस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकी नाडा रिजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1623 में निगमित अनुसूची संपत्ति

बी० बी० सुब्बाराव,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा,

तारीख : 29-11-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 969—यतः मुद्रा, बि० वि० मुम्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो काकीनाडा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकारी
अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिब में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—416GI/79

- (1) श्री राजा बोम्मादेवरा श्रीरामा वेंकटरायुलु,
पंगिडि, एलूर, तालुक (अन्तरक)
- (2) श्री दंतलूग खादर हक्षा वल्लि साधु कुष्णा वर्मा,
काकिनाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20K में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत अप्रैल,
1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1609 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति

बि० वि० मुम्बाराव,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-79

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19-11-79

970—यतः मुझे ब० वि० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो जवाहर गली काकीनाडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में परस्परविरोध रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- (1) श्रीमती वडाला सुभद्रामा काकीनाडा (अन्तरक)
- (2) 1 मेर्ला सूर्य प्रभाकर चौधरी
काकीनाडा (अन्तरिती)
- 2 मेर्ला दुर्गा प्रसाद चौधरी
काकीनाडा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए तार्पवाहियों करता हूँ।

उक्त पत्राति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1761 में निगमिति अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 19-11-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम० -----

1 श्रीमती दंडाल सुभद्रम्मा, काकीनाडा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं०—971 यन० मुझे वि० वि० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961-(1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 2 (1) श्री मेरेला सूर्य प्रभाकर चौधरी,
काकीनाडा
(2) मेरेला दुर्गा प्रसाद चौधरी,
काकीनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी सं० पाक्षिक अंन 30-4-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1803 में निगमित अनुसूची संपत्ति

वि० वि० सुब्बाराव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर, 1979

सं० 972—यतः मुझे बि० वि० मुख्ताराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 54-5-55 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कनुमूरि वेंकट शेषगिरिराव
काकीनाडा

(अन्तरक)

(2) श्री मंडा केशवराव, काकीनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1611 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वि. बि० मुख्ताराव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा।

तारीख : 19 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 973—यतः मुझे त्रि० वि० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिपुका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० 54-5-55 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और प्रत्येक (प्रत्येक) और प्रत्येकी (प्रत्येकी) के बीच ऐसे प्रत्येक के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रत्येक निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्येक में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्येक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुतियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कन्मूरी वेंकटा शेषगिरिराव,
काकीनाडा (अन्तरक)

(2) श्री मंडा अम्मिराजु
काकीनाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2286 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर

सं० 974—यंतः मुझे त्रि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 54-5-55 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कनुमूटी वेंकट शेषगिरिराव,
काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मंडा केशवराव, काकीनाडा ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज सं० 2264 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

त्रि० वि० सुब्बाराव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-11-79

मोहर :]

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 3 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० आई०ए० सी/एकवी०/भोपाल 79-80/1396—

अतः मुझे कृ० कां० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए न तो बाधा या प्रतिफल, प्रमाणित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निम्नलिखित में संश्लेषित का मे कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति दुर्गारानी देवी पत्नी श्री एस० डी० मुकर्जी (2) श्री एस० डी० मुकर्जी फाफाडिह, रायपुर । (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति श्रीमती पत्नी श्री अब्दुल रशीद व (2) श्रीमति नाजमा पत्नी श्रीमति इलास मौधापारा रायपुर वर्तमान मंदिर के पास, फाफाडिह रायपुर) । (अन्तरिती),

3. श्री एस० रंगना, प्रोफेसर दुर्गामहाविद्यालय, रायपुर (ओकुपेंट) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट माप 3599 वर्गफुट, बिर्यारंग खसरा नं० 55/18 राम मन्दिर के पास, फाफाडिह, रायपुर ।

कृ० कां० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 3-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/1397—अतः मुझे कृ० कां राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तारक (प्रस्तारकों) और प्रस्तारित्री (अन्तरित्रीयों) के बीच ऐसे प्रस्तारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तारित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम गोपाल पुत्र श्री सक्लू प्रसाद कश्यप जूना बिलासपुर जिला बिलासपुर। (अन्तरक)

3. श्री मूलचन्द खण्डेलवाल पुत्र स्व० चिरंजी लाल, आदर्श कालोनी, बिलासपुर (अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट माप 0.85 हेक्टेयर्स (9150 वर्गफुट) स्थित न्यू बस स्टैंड, जूना बिलासपुर, बिलासपुर।

कृ० कां राय
सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० आई०ए०सी०/ए०बी०/भोपाल 79-80/

1398--अतः मुझे, कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह कि अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15--416GI/79

1. (1) श्री विश्वाम राव पुत्र श्री त्रिम्बकराव होल्कर
(2) श्री नारायण राव (3) श्री सुशेण चन्द्र (4) श्री चन्द्रसेन सभी पुत्र श्री विश्वामराव होल्कर (5) श्रीमती तारा बाई पत्नी श्री विश्वामराव होल्कर ग्राम काम्बी तह० सैगवे, महाराष्ट्र (6) श्रीमती मीरा बाई पत्नी श्री मधुसूदन, हर-मिड्डी मैन रोड, इन्दौर व (7) श्री त्रिम्बक राव पुत्र श्री विश्वामराव होल्कर, 15/2, मनोरमा गंज, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री मोहनलाल 147, पालसीकर कालोनी, इन्दौर । (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 27 का भाग, महावीर मार्ग, इन्दौर ।

कृ० कां० राय
सक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-12-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० आई०ए०सी०/ए०बी०/भोपाल/79—80/
1399—अतः मुझे के० के० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, राजस्वी-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे 'दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

2. (1) श्री मोहन दाम व किशन दयाल शर्मा, आनन्द
निवास, गली नं० 4, शिमला (हि० प्र०) । (अन्तरक)

2. श्री फकरुद्दीन भाई पुत्र मुल्ला असगर अली भाई
बोहरा म० नं० 36, जवाहर मार्ग, इन्दौर । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषणः—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 36 का पूर्वी भाग, जवाहर मार्ग, इन्दौर ।

के० के० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/-
1400/—अतः मुझे हु० का० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री श्याम लाल शर्मा पुत्र श्री राम स्वरूप जी शर्मा
डैली कालेज, इन्दौर ।
(अन्तरक)

2 (1) महेश्वर कुमार व (2) श्री मुकेश कुमार दोनों
पुत्र श्री मदन गोपाल अग्रवाल (3) श्री पवन कुमार (4) श्री
संजय कुमार दोनों पुत्र श्री मत्तनारायण अग्रवाल 182, जेल रोड,
इन्दौर ।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

स्पर्नामपल मकान न० 3 प्लाट ऐरिया 28000 वर्ग
फुट स्थित गली न० 3, मनोरमागंज, इन्दौर ।

का० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 3-12-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल/79—80/1401—अतः मुझे के० के० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण नहीं किया गया को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राधे श्याम पुत्र श्री पन्नालाल जी गुप्ता, 28, कलशली मोहल्ला, छावनी मैदान रोड, इन्दौर । (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति मधुबाला पति श्री भगत सिंह राय (2) श्री शीतल प्रसाद पुत्र श्री भूरालाल (3) श्री राजेंद्र प्रसाद पुत्र गोपीबालजी (4) श्री सुनील कुमार पुत्र श्री रामप्रसादजी द्वारा अभिभावक श्रीमति प्रेमवती पति श्री श्री लाल व श्री मिठाई लाल पुत्र श्री पुरुषोत्तम जयसवाल, कान्गो बारवल, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 9 स्थित गली नं० 3 ब्लॉक नं० 56 ऐ मनोरमा गंज, इन्दौर ।

के० के० राय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-12-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एवडी०/भोपाल/79-80/—
402—अतः मुझे के० के० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-4-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरालियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमति, प्रभावती देवी विधवा पति श्री
गजानन गोड़बोले, नाथ मन्दिर, कालोनी 2, साउथ तुकागंज,
इन्दौर। (2) श्री राजा राम पुत्र श्री धर गोड़बोले (3)
श्रीमति शालिनी पति श्री दिनकर गोड़बोले अरेरा कालोनी,
भोपाल, (4) श्री रघुनाथ पुत्र श्री श्रीधर गोड़बोले नागपुर
(5) श्री मधुकर पुत्र श्री श्रीधर गोड़बोले एल० आई० जी०
कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री फतेअली पुत्र श्री गुलाम अली, 713, सांगली
स्ट्रीट, महु। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कई मंजिला मकान रकबा 4490 वर्गफुट 12/1, चन्द्राभाग,
इन्दौर।

के० के० राय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 6-12-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/1403—

अतः, मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और, अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन हर देन के अन्तरक के दायित्व में हमी करने या उन्ने बनने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसा किया याव या किसी जन व अन्य वास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थितः—

1. श्री पंडुरंग रघुनाथ राजिन्दर, 50, एम० आई० जी० वैशाली नगर, भिलाई (अन्तरक)

2. (प्रोफेसर) बालकृष्ण पुत्र श्रीराम भान तिलोम प्रसिपल, शासकीय महाविद्यालय, गुजालपुर, 52, अनूपनगर, इन्दौर, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनत्ता होती है, के माध्यम पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात्सहायक के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला पक्का मकान रकबा 2616 वर्गफुट 52, अनूपनगर, इन्दौर।

के० के० राय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 6 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

प्रांति प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस०/भोपाल 79-80/1404—

अतः, मुझे, के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमर बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री अनोखी लाल दत्ता, लाडाल मोदी बाजार, रतलाम। (अन्तरक)

2. श्री नजमुद्दीन पुत्र श्री ताहिर अलीबोहरा, चांदनी चौक, रतलाम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अधिकारियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभ्यताकारी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 12/336 रकबा 7000 वर्गफुट मित्त निवास रोड, रतलाम।

के० के० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 6-12-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल/79-80/
1405—अतः, मुझे, के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीराम चन्द्र (2) प्रभाकर (3) अरूण (4) अनिल (5) आनन्द व (6) अविनाश सभी पुत्र श्री गोविन्द जोशी (7) कु० मंजिरी पुत्री गोविन्द जोशी, पार्क रोड, टेलीफोन एक्सचेंज, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री योगेन्द्र कुमार पुत्र श्री मुरली धर पुराणिक 52, आड़ा बाजार, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला पक्का मकान नं० 99/1 रकबा 720 वर्ग फुट दुबे का बगीचा (वल्लभनगर), इन्दौर।

के० के० राय
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/
1406—अतः, मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
16-416GI/79

1. (1) श्री रामचन्द्र (2) प्रभाकर (3) अरुण (4) अनिल (5) आनन्द व (6) श्री अविनाश सभी पुत्र श्री गोविन्द जोशी व (7) कु० मंजरी पुत्री गोविन्दजोशी पार्क कालोनी, टेलीफोन एक्सचेंज, इन्दौर (अन्तरक)

2 श्री बसंत पुत्र श्री गंगाधर भेंडे, 34, नन्द लाल पुरा, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 99/1 का भाग रकबा 585 वर्गफुट दुबे का बगीचा (वल्लभ नगर), इन्दौर।

के० के० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख 6-12-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/1407

अतः मुझे, क० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिन्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथि नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री विठलदास सेठ 21, सिख मोहल्ला, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री रसिक लाल पुत्र श्री वसंत जी दोशी; मैनेजर दैना बैंक, भवानीपुर ब्रांच, 109, असुतोष मुकर्जी मार्ग, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“सेठ ऐपार्टमेंट” का ग्राउन्ड फ्लोर माप 1305/वर्गफुट स्थित 7 बी, कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर, साथ अन्य सुविधा।

क० का० राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/1408—अतः, मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि परापूर्वगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसा दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेन्द्र नारायण पुत्र श्री राम गोपाल गुप्ता 589, स्नेहनगर नौलखा, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री विद्यासागर पुत्र श्री बिहारी लाल चतुर्वेदी निवासी जपला सीमेंट फैक्ट्री ग्राम देवरीकला जिला पलामू, हुसैनाबाद, बिहार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 36 रकबा 2400 वर्गफुट स्थित खेडापति कालोनी, ग्वालियर।

कृ० का० राय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 10-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एकवी०/भोपाल 79-80/1409—अतः, मुझे, कृ० का० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री अनोखी लाल दख, महाजन, डालु मोरी बाजार, रतलाम । (अन्तरक)

2. श्री हुनेद पिता हाजी फकरुद्दीन बोहरा चांदनी चौक, रतलाम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 12/335 माप 7000 वर्ग फुट स्थित मित्त निवास रोड़, रतलाम ।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 10-12-1979

बोहरा :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/

1410—अतः, मुझे, क० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग है, तथा जो भोपाल में स्थित
है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण के रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 13-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्मरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी छन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरुचरन सिंह पुत्र श्री हरजनराय चावला, फतेहगंड़,
भोपाल । (अन्तरक)

2. श्रीमती कमला पत्नी श्री लीनाराम खत्री 50, सी,
ईशगाहिलस, भोपाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धार्या 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस धार्या
में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 3 स्थित रायल मार्केट, जी० पी० ओ० के पास,
भोपाल ।

क० का० राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 79-80/
1411—अतः मुझे, कृ० कां० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28
अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीतः—

1. (1) श्रीमती गायत्री देवी वाली श्री त्रियुगी
नारायण (2) श्री त्रियुगी नारायण पुत्र श्री चन्दा नारायण
दुबे, रायपुर। (अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव पुत्र श्री कामना प्रसाद
श्रीवास्तव, बूढापारा, रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 309/15 स्थित ब्राह्मणपुरी रायपुर जिला व
तहसील रायपुर।

कृ० कां० राय
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 19-12-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती मुलेखा बाई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मी० ए० हनीका हाजी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कोच्चिन-18, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एम० सी० 346/79-80—यतः मुझे, के०
नारायण मेनोन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० अनुसूची क० अनुसार है जो महत्ववरी
में स्थित है जो (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कोच्चिन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 2-4-1979

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के जिम्मे प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ग) अन्तरक से हुई किसी तरह की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमो करने या उठाये बचने में भुविदा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी याद या किसी धन या अन्य वस्तुओं की
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, विषय में सुविधा के लिए;

अनुसूची

12 Cents of land with buldings in Sy. No. 699 of Mattan-
cherry village.

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर कार्य :—

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एन० कृष्णय्यर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) (1) श्री के० एम० मरक्कार व्वाजी (2) के० एम० हसन (3) के० एम० अविपार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोच्चिन

कोच्चिन, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० निर्देश सं० एल० सी० 364/79-80--यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो 4 आलूवा में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलूवा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-4-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अन्यबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—यसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24.775 Cents of land with buildings in Sy. No. 261/IC of Alwaye village.

के० नारायणा मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कोच्चिन

तारीख 26-11-1979

मोहूर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री पी० एम० चावको (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) (1) श्री मात्यु, (2) गोशाम्मा, मात्यु (3)
राय० एम० मात्यु, (4) निस्सी मात्यु, (5)
शाशम्मा माम्मन एवं (6) सिमिली मात्यु
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-5

कोच्चिन-5, दिनांक 6 दिसम्बर, 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

निर्देश सं० एल० सी० 367/79-80--प्रतः मुझे के०
नारायणा मेनोन

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् नितियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मल्ला-
पुषाचेरि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कोषनचेरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 30-4-1979

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन हुकर देने के अन्तरण के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1.5 Cents of land with buildings as per Schedule attached
to Doc. No. 440/79.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

17-416G1/79

तारीख : 6-12-1979

मोहर :

प्रकाशक टी० एन० एस०---

- (1) श्री हरिकान्त मनकलात या। (प्रस्तरक)
(2) श्री एम० बालन पिरलै। (प्रस्तरिकी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अन्तर्गत सूचना

धारा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चि-5, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एन० सी० 370/79-80--यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अन्तर्गत सूचना प्राप्त करने की सूचना देना है कि स्यावर सम्पत्ति, निम्नलिखित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार है, जो कोच्चि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोच्चि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1979 को

पूवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से दो दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में कुछ किसी भी रूप में उक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में नहीं करने या उक्त करने में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारत आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वास्तविक रूप से कथित या विरात में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रचुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचुरण के लिए कार्यवाही करा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रचुरण के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per Schedule attached to Doc No. 1563/79.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 6-12-1979

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोच्चिन

कोच्चिन-5, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 372/79-80--यन: मुझे, के० नारायणा मेनोन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मग यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुवृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से तयित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) (1) किशोरी एन० परेख (2) कुमुद एस० कपाड़िया (3) किशोर मनकलाल शा (4) नीना एन० चोड़ा द्वारा श्री हरिकान्त मनकलाल शा। (अन्तरक)

(2) श्री एम० बालन पिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समस्थानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिसो रंग बाकिा द्वारा, प्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रकृत शर्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per Schedule attached to Doc. No. 1565/79.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कोच्चिन

तारीख : 6-12-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोच्चिन

कोच्चिन-5, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एन० सी० 373/79-80--प्रतः मुझे, के०
नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोन्नम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोन्नम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 18-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) (1) जयन्त मनकलाल शा (2) शीला मनकलाल
शा (3) प्रदीप मनकलाल शा द्वारा श्री हरिकान्त
मनकलाल शा। (अन्तरक)

(2) श्री एम० बालन पिल्लै। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per Schedule attached to Doc. No.
1566/79.

के० नारायणा मेनोन,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कोच्चिन

तारीख: 6-12-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोच्चिन

कोच्चिन-5, दिनांक 6 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 374/79-80—यतः मुझे, के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (1) हरिकान्त मनकलाल शा (2) नवीन मनकलाल शा (3) किशोर मनकलाल शा (4) जयकान्त मनकलाल शा (5) प्रदीप मनकलाल शा (6) चंचलवाई मनकलाल शा द्वारा श्री हरिकान्त मनकलाल शा। (अन्तरक)

(2) श्री एम० बालन पिल्लै। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per Schedule attached to Doc. No. 1567/79.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कोच्चिन

तारीख : 6-12-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 4 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 366/79-80—यन: मुझे के० नारायणा मेनोन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रवृत्ति प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तर के लिए उत पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर के तुरंत किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सी० के० पी० कम्पन। (अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० चन्द्रन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6.566 Cents of land with building in Sy. No. 922/2 of Ernakulam village.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 4-12-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) (1) कृष्ण ऐयर (2) हरिहरन (3) वैद्यनाथन
द्वारा कृष्ण ऐयर। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 378/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन उक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो इरिजालाकुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इरिजाला-कुडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्री एम० वेलायुथा मेनोन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

59 Cents of land with buildings as per Schedule attached to Doc. No. 661/79.

के० नारायणा मेनोन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 11-12-1979
मोहर :

प्राकल्प आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोच्चिन

कोच्चिन-16, दिनांक 11 दिसम्बर, 1979]

निर्देश सं० एन० सी० 379/79-80—यनः मुझे के०
नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मानंतोड़ी में
स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानंतोड़ी
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 28-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए पंजीकृत हो गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित विश्वासों, प्रतीति :—
18-416GI/79

(1) (1) बी० सी० सी० कावेडियप्पा द्वारा बी०
के० गणापति (2) बी० के० गणापति (3) बी०
के० नंजप्पा (4) बी० के० अय्यप्पा द्वारा
बी० के० गणापति। (अन्तरक)

(2) (1) पी० राणाकुरूप (2) नीलकण्ठ कुजहम्मद
हाजि (3) ए० टी० माय्यु (4) टी० पी०
पुथूस (5) एम० बालकृष्णन (6) एन० पक्कट
(7) नोमज० जे० ए० (8) टी० पी० आन्टणि
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

Coffee estate as per Schedule attached to Doc. No. 1749.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कोच्चिन

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कोच्चिन

कोच्चिन-16, दिनांक 11 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० एम० सी० 380/79-80—यन: मुझे, के०
नारायणा मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मानंतोडी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानंतोडी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 28-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तर के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तर लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (1) बी० के० गणापति (2) बी० के० नंजप्पा
(3) बी० के० अय्यप्पा द्वारा बी० के० गणापति)।
(अन्तरक)

(2) (1) पी० रामाकरुप (2) नीलकण्ठ कुअहम्मद
हाजी (3) ए० टी० माय्यु (4) टी० पी०
पुन्नूस (5) एम० बालकृष्णन (6) एन० पाक्कर
(7) थोमस जे० ए० (8) टी० पी० अन्टोनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोद्घोषकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

Coffee estate as per Schedule attached to Doc. No. 1750/
79.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कोच्चिन

तारीख: 11-12-1979
मोहर:

अध्याय चौथा टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोच्चिन

कोच्चिन-16, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 381/79-80--यतः मुझे के० नारायणा मेनोन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पावरट्रि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुल्लाशेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्याप्त प्रतिष्ठित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप में नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय की जांच या अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) एतद् किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :—

(1) श्री बालाचन्द्रन।

पालूवाई देमोग, चावाकाद (अन्तरक)

(2) श्री वरगीस जांब।

वादाके हालाकल पावारा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20.75 Cents of land with buildings as per Schedule attached to Doc. No. 569/79.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कोच्चिन

तारीख : 11-12-1979
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 17th December 1979

No. P/1890-Admn.I—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 12th December 1977, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to continue the appointment of Dr. T. Ramasami as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission for a period of two more years with effect from 1st December, 1979 (F.N.) or until further orders, whichever is earlier, under the powers vested in him *vide* proviso to Regulation 4 of the UPSC (Staff) Regulations 1958.

S. BALACHANDRAN
Under Secretary (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 26th December 1979

No. A-11/6/79.—Shri Inder Mohan Bhatia, Sr. Stenographer, Hqrs. Office has been appointed to officiate as Enforcement Officer with effect from 19-11-1979 (FN) and until further orders.

D. C. MANDAL
Deputy Director (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 28th December 1979

No. 78 RCT 16.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. J. Singh, Executive Engineer (Elect) of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating Capacity, with effect from 19-12-1979 (forenoon) until further orders.

K. L. MALHOTRA
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 27th December 1979

No. O. II-1032/75-Estt.—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from 3-12-1979 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

B. K. KARKRA
Asstt. Director (Adm.)

INDIA GOVERNMENT MINT, ALIPORE

Calcutta-700 053, the 28th December 1979

No. P. 157/14035.—Shri R. N. Neogy, officiating Bullion Registrar, India Government Mint, Alipore, Calcutta-700 053 has been confirmed in the post of Bullion Registrar in the same Mint with effect from 1st December, 1976.

B. M. MISTRY
Master of the Mint.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th December 1979

No. Admn. I/P.F/GNG/434.—Shri G. N. Ghose a permanent Accounts Officer is permitted to retire from Government service with effect from 31-12-1979 afternoon on attaining the age of superannuation.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HQRS. CIVIL SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 24th December 1979

No. 21/79/A/E-1(NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals, in Offg., capacity on *ad hoc* basis in existing vacancies in grades and on dates shown against each :—
S/Shri

- | | | |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. B.K. Nandi,
Permt. Asstt. | Offg. Assistant
Staff Officer
(Group 'B'
Gazetted) | From 10-12-79
until further
orders. |
| 2. Goverdhan Lal
Permt. Asstt. | Do. | Do. |
| 3. M.K. Khastagir,
Permt. Asstt. | Do. | Do. |

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 26th December 1979

No. A-1/1(873).—The President is pleased to appoint Shri I. S. Garg, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate on *ad hoc* basis as Deputy Director of Supplies (Gr. II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi, with effect from the forenoon of 10-12-1979.

P. D. SETH
Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 21st December 1979

No. A-17011/167/79-A6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri K. N. Nagraj, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on *ad hoc* basis in the Office of the Director of Inspection, Bombay w.e.f. the forenoon of 22nd Nov. 1979 and until further orders.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 21st December 1979

No. A-6/247(492)/III.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Sharma, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of the Director of Inspection, Calcutta as Inspecting Officer (Engg.) on *ad hoc* basis in the Office of the Director of Inspection, Bombay w.e.f. the forenoon of 3rd December, 1979 and until further orders.

Shri Sharma relinquished charge of the post of AIO (E) and assumed charge of the post of IO (E) in the office of Director of Inspection, Calcutta on 3-12-1979 (FN).

No. A-17011/81/74-A6.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Malakar, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Calcutta as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engg. Branch) in the same office w.e.f. the forenoon of 3rd December, 1979 and until further orders.

Shri Malakar relinquished charge of the post of AIO (E) and assumed charge of the post of IO (E) in the office of Director of Inspection, Calcutta on 3-12-1979 (F.N.).

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-1, the 26th December 1979

No. A-20012/14/70-Fxh.(A).—The Director of Advertising and Visual Publicity appoints Shri S. N. Gupta as Field Exhibition Officer in this Directorate in the Field Exhibition Office (Van Unit), Ahmedabad in a purely temporary capacity on *ad hoc* basis w.e.f. the forenoon of 12-12-1979 until further orders.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th December 1979

No. A. 35017/1/79(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Rustogi to the post of Deputy Director Accounts (Stores) in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of the 7th November, 1979 and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 31st December 1979

No. A-19023/14/79-A. III.—On the recommendations of the UPSC, Shri A. N. Rao, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bombay in the forenoon of 29-10-1979 until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer Shri Rao, relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Bangalore in the afternoon of 17-10-1979.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
VARIABLE ENERGY CYCLOTRON

Calcutta-700 064, the 29th December 1979

No. VEC/C/Per-DKG/13197.—Addl. Director, DARC, Bombay has accepted the resignation of Shri Dwipendu Kumar Ghosh, permanent SA(H)/officiating Scientific Officer (SB) in the Variable Energy Cyclotron Project, Bhabha Atomic Research Centre, Calcutta with effect from the afternoon of 13-11-1979.

R. P. HARAN
Administrative Officer-III

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 29th December 1979

No. 05052/79/6948.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Trikkalur Variath Radhakrishnan, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

No. 05052/79/6949.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Davinder Kapur, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

R. C. KOTANKAR
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 24th December 1979

No. SAC/ES/ISCES/1410/79.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri Arun Kumar Saksena, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of December 24, 1979.

MFR PANICKER
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 21st December 1979

No. A. 32013/2/77-EI.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/2/77-EI, dated the 16th April 1979, the President is pleased to sanction continued *ad hoc* appointment of Shri V. Ramasubramanyam, Director, Training & Licensing, Civil Aviation Department to the Post of Director, Communication (Planning & Evaluation), in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department, beyond 31-7-1979 and upto 31-12-1979 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 17th December 1979

No. A. 32014/3/79-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on purely *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the date mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad) :—

S. No.	Name	Date
	S/Shri	
1.	B. Kumar	26-11-79
2.	M. S. Mallick	26-11-79
3.	C. V. Raisinghani	26-11-79
4.	S. Nandan	26-11-79
5.	N. R. Chowdhury	27-11-79
6.	S. K. Deb Mondel	27-11-79
7.	R. Y. Pol	30-11-79

The 20th December 1979

No. A-32014/2/79-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on purely *ad hoc* basis, for a period of one year, with effect from the date shown against their names or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

S. No.	Names	Date
1	2	3
	S/Shri	
1.	Dharam Pal	17-9-79
2.	S. A. Krishnan	19-9-79
	AN,	
3.	Y. P. Sawhney	17-9-79
4.	J. C. Kartania	17-9-79
5.	N. K. G. Rao	19-9-79
	AN,	
6.	H. B. Roy	25-9-79
7.	S. N. Sarkar	17-9-79
8.	J. V. Subha Rao	19-9-79.
	AN	

1	2	3
	S/Shri	
9.	S. K. Sen Gupta	17-9-79
10.	S. P. Rikhi	18-9-79
11.	P. S. Jaswal	17-9-79
12.	V. P. Saini	17-9-79
13.	Amar Chand	17-9-79
14.	R. D. Bajoaj	17-9-79
15.	G. B. Prohit	17-9-79

The 22nd December 1979

No. A-32014/1/79-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officers with effect from the dates mentioned against each and until further orders :—

S. No.	Name	Dat
	S/Shri	
1.	Mahan Singh	17-9-79
2.	M. Gnanaprasam	24-9-79

V. V. JOHRI
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 22nd December 1979

No. A. 44012/1/79-ES.—Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from service of Shri A. S. Verma, Licensed Engineer, Calibration Units in the office of Director, Radio Construction & Development Units, Saldaung Airport, New Delhi with effect from 6-12-1979 (A.N.).

R. N. DAS
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 7th December 1979

No. 1/439/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar, Supervisor, Calcutta Branch, as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity, in the same Branch, for the following periods, on *ad hoc* basis :

From	To
(1) 30-4-1979	30-5-1979
(2) 4-6-1979	21-7-1979.

The 10th December 1979

No. 12/19/79-EST.—The Director, General, Overseas Communications Service hereby appoints the following officiating Deputy Traffic Managers as Deputy Traffic Managers, in a substantive capacity, with effect from the date shown against each under column No. 3.—

S. No.	Name	Date from which appointed as Deputy Traffic Manager in a substantive capacity.
	S/Shri	
1.	M. M. Sharma	13-3-1975
2.	Jagdish Chander	1-6-1977
3.	K. V. Subramanyan	2-6-1977
4.	R. J. Barboza	1-7-1977
5.	R. Athaide	1-1-1978

The 20th December 1979

No. 1/311/79-EST.—The Director General Overseas Communications Service hereby appoints Shri A. S. Paes, Perm. Supervisor, Bombay Branch, as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, on *ad hoc* basis, for the period from 28-8-1979 to 26-9-1979.

The 21st December 1979

No. 1/258/79-EST.—Shri G. D. Verma, Officiating Assistant Engineer, R&D Unit, Headquarters Office, Bombay, was permitted to resign his appointment, with effect from the afternoon of the 31st October, 1979.

No. 1/455/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. D. Garg, Officiating Technical Assistant, Dhond Branch of O.C.S. as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 26-3-1979 to 30-6-1979 (both days inclusive) purely on *ad hoc* basis.

No. 1/84/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Turkey, Supervisor, Calcutta Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity on *ad-hoc* basis in the same Branch from 4-6-1979 to 4-8-1979. (Both days inclusive).

The 27th December 1979

No. 1/9/79-EST.—Shri P. V. Perumal, who was appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity in Madras Branch, on *ad hoc* basis w.e.f. the 2nd May, 1978, was reverted to his original post of Technical Assistant in the Branch, with effect from the afternoon of the 30th April, 1979.

No. 1/487/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Kewal Krishna Talwar, Inspector, Directorate General of CRPF, New Delhi, as Security Officer in an officiating capacity, in Ahmed Satellite Earth Station, Dehra Dun Branch of O.C.S. on deputation basis, with effect from the forenoon of the 23rd October, 1979 and until further orders.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

Bombay, the 21st December 1979

No. 1/99/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Rajendra Kapoor, Officiating Technical Assistant, New Delhi Branch, as Assistant Engineer in an officiating capacity on a regular basis, in R&D Unit, Hq. Office, Bombay, w.e.f. the forenoon of the 24th August, 1979 and until further orders.

No. 1/99/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Rajendra Kapoor, Officiating Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the following periods, against short-term vacancies, purely on *ad hoc* basis :—

- (1) From 23-5-1978 to 11-8-1978
and
(2) from 19-3-1979 to 28-7-1979.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 27th December 1979

No. 16/333/79-Ests-1.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Dharam Vir Singh, Asstt. Conservator of Forests, Uttar Pradesh Forest Department, as Assistant instructor, Northern Forest Rangers College, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 15th October, 1979, until further orders.

No. 16/339/79-Fsts-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Jag Ram as Research Officer at the Sandal Research Centre, Forest Research Laboratory, Bangalore with effect from the forenoon of 26th October, 1979, until further orders.

GURDIAL MOHAN
Registrar,
Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Indore, the 24th December 1979

No. 12/79.—Shri George Duke, Superintendent (Prev.) Central Excise, Group 'B' Divisional Office, Jabalpur in Madhya Pradesh Collectorate, Indore, having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 30th November, 1979.

S. K. DHAR
Collector

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 26th December 1979

No. 6/2/79-ADM. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group 'B') Service in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against their names until further orders :—

1. Shri K. L. Varandani—22-10-1979
2. Shri S. L. Sharma—29-11-1979.

S. BISWAS
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s. Cine Lab. & Studios Private Limited*

Bombay, the 13th December 1979

No. 12551/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Cine Lab. & Studios Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Arti Chit Fund & Finance Company Private Limited*

Jullundur, the 24th December 1979

No. G/Stat/560/3156/9478.—Notice is hereby given to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Arti Chit Fund & Finance Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Beas Chit Fund & Financiers Private Limited*

Jullundur City the 24th December 1979

No. G/Stat/560/2857/9480.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies

Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Beas Chit Fund & Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
New Chopra Chit Fund & Financiers Company Private Limited*

Jullundur, the 29th December 1979

No. G/Stat/560/2743/9657.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the New Chopra Chit Fund & Financiers Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Anant Chit Fund and Financiers Private Limited*

Jullundur, the 29th December 1979

No. G/Stat/560/2931/9659.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Anant Chit Fund and Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Patna, the 19th December 1979

NOTICES

No. GC-3/XV-1/78-79/42262.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the Public interest to publish the names and other particulars relating to the assessee who have been assessed under section 42A of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) on the net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year 1976-77. Arrangement of entries :—(i) Indicates Status 'I' for Individual 'H' for HUF. (ii) Indicates assessment year. (iii) Indicates Wealth returned, (iv) Indicates Wealth assessed, (v) Indicates Wealth-tax payable, (vi) Indicates Wealth-tax paid.

1. T. P. Sao & Others, Jamshedpur

(i) H.

(ii) 1973-74, 1974-75, 1975-76, 1976-77.

(iii) Rs. 9,76,119/-. Rs. 10,34,898/-. Rs. 9,77,326/- & Rs. 10,35,751/- respectively.

(iv) Rs. 11,71,200/-. Rs. 12,29,600/-. Rs. 12,04,800/- & Rs. 13,32,290/- respectively.

(v) Rs. 20,136/-. Rs. 43,326/-. Rs. 51,389/-. Rs. 61,576/- respectively.

(vi) Rs. 6,149/-. Rs. 1,200/-. Rs. 26,300/-. Rs. 35,050/- respectively.

2. Shri Mishrilal Jain, Chaibasa.

(i) I.

(ii) 1972-73, 1973-74, 1974-75 & 1975-76.

(iii) Rs. 36,43,600/-. Rs. 37,29,400/-. Rs. 34,55,100/- & Rs. 66,56,900/- respectively.

(iv) Rs. 68,99,372/-. Rs. 70,46,906/-. Rs. 61,00,899/- & Rs. 98,87,229/- respectively.

(v) Rs. 4,24,707/-. Rs. 4,36,096/-. Rs. 3,61,726/- & Rs. 6,53,304/- respectively.

(vi) Rs. 44,24,707/- Rs. 436,096/-. Rs. 3,61,726/- & Rs. 6,53,304/- respectively.

No. GC-3/XV-1/78-79/42260.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars of the assesses on whom penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed, I hereby notify, u/s 287 of the I.T. Act, 1961 for publication the names and other particulars in respect of the assesses in Bihar Charges I & II on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the financial year 1977-78.

Arrangement of entries :—(i) Indicates Status, 'I' for Individual 'H' for HUF, 'F' for Firm, 'C' for Company (ii) Indicates Assessment year (iii) Indicates amount of penalty.

1. M/s. Gumla Traders, Ranchi (i) H, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 5,079/- u/s 271(1)(a).
2. Yuvraj B. K. Singh, Doranga, Ranchi (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 9,000/- u/s 271(1)(c).
3. M/s Laxmi Narayan Ramnarain, Lalpur, Ranchi, (i) F (ii) 1957-58 to 1965-66 (iii) Rs. 60,610/- Rs. 23,250/-, Rs. 36,330/-, Rs. 30,540/-, Rs. 40,110/-, Rs. 19,590/-, Rs. 30,230/-, Rs. 25,580/-, Rs. 19,650/- respectively u/s 271(1)(c).
4. M/s Selected Jharia Coal Co. (p) Ltd., Jharia (i) C, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 5,736/- u/s 271(1)(b).
5. Shri Meghraj Agarwala, Ballapur, Dhanbad (i) I (ii) 1973-74, (iii) Rs. 14,542/- u/s 271(1)(c).
6. M/s Omprakash & Co., Jharia (i) F, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 26,936/-, Rs. 11,146/-, Rs. 8,318/- and Rs. 1,07,000/- u/s 271(1)(a), 271(a)(b), 273(b) & 271(1)(c) respectively.

No. GC-3/XV-1/78-79/42256.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and

other particulars in respect of an individuals, Hindu Undivided Families assessed on an income of over Rs. 2 lakhs, and Firms, Association of persons and companies assessed on an income of over Rs. 10 lakhs, I hereby notify under section 287 of the I.T. Act, 1961, the names and other particulars of the following assesses of Bihar Charges I & II who have been assessed during the financial year 1977-78.

Arrangement of entries :—(i) Indicates Status 'I' for Individual 'H' for Hindi Undivided Family, 'F' for Firm, 'C' for Company, (ii) Indicates assessment year, (iii) Indicates Returned income, (iv) Indicates assessed income, (v) Indicates Tax payable by the assessee and (vi) Indicates Tax paid by the assessee.

1. Shri Ganpatrai Jain, Jamshedpur (i) H, (ii) 1976-77, (iii) Rs. 23,19,220/-, (iv) Rs. 23,19,220/-, (v) Rs. 17,68,639/-, (vi) Rs. 17,68,639/-.
2. M/s Tewari Bechar & Co., Jamshedpur (i) C, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 3,34,375/-, (iv) Rs. 11,35,207/-, (v) Rs. 2,41,509/-, (vi) Rs. 2,41,509/-.
3. M/s Yodogawa Steel Works Ltd. (Japan), Jamshedpur, (i) C, (ii) 1977-78, (iii) Rs. 15,03,910/-, (iv) Rs. 15,03,910/-, (v) Rs. 7,91,600/-, (vi) Rs. 7,91,600/-.
4. M/s Steel City Beverages (p) Ltd., Jamshedpur (i) C, (ii) 1976-77, (iii) Rs. 8,78,918/-, (iv) Rs. 10,03,590/-, (v) Rs. 6,20,834/-, (vi) Rs. 6,20,834/-.
5. M/s Mecor, Ranchi (i) C (ii) 1975-76 (iii) NIL (iv) Rs. 1,09,510/- (v) Rs. 69,59,997/- (vi) Rs. 60,61,805/-.
6. M/s Mecon, Ranchi (i) C (ii) 1976-77 (iii) NIL (iv) Rs. 66,38,850/- (v) Rs. 40,61,400/- (vi) Rs. 35,49,640/-.
7. M/s Western India Sales & Services, Ranchi, (i) F, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 8,10,060/-, (iv) Rs. 10,29,692/-, (v) Rs. 3,51,460/- (vi) Rs. 1,00,000/-.

S. DWIVEDI
Commissioner of Income-tax,
Bihar-I, Patna

FORM ITNS

- (1) (1) Shri Janim Martin Fernandes,
(2) Shri Anna Guiteria Victor Fernandes,
R/o Bastora, Bardez, Goa.

(Transferors)

- (2) Smt. Maria Assis De Souza,
Porvorim, Bardez, Goa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 12th October 1979

Ref. No. 79-80/Acq.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 158/25 situated at Guirim, Sangolda, Tq. Bardez, Dist. Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardez under Document No. 236 on 7-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—416 GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 236 dated 7-4-1979]
Property bearing S. No. 158/25 known as "Aradi" situated at Guirim, Sangolda, Tq. Bardez.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Dated : 12-10-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 31st December 1979

Ref. No. IAC/Acq.-I/12-79/981.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 1660 situated at Kotla Mubarakpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 17-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mohini Shankar w/o Shri Vijay Shankar,
R/o 43-B, Hanuman Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Satya Narain Gupta s/o Shri Nand Lal and
Naurang Lal s/o Shri Giassi Lal,
R/o 1660, Kotla Mubarakpur, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 1660 (Old No. 88-E then 1750 and now 1660) constructed on a freehold plot measuring 401 sq. yds. situated in village Kotla Mubarakpur, New Delhi bounded as under :—

East : House of Shri Shera and Lachhu in possession of Shan Chand.
West : House of Sunder Lal, Lal Chand etc.
North : Thorough-fare,
South : House of Hargu Lal.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 31-12-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Saroj Kumar Paul.

(Transferor)

(2) Sri Probhat Kr. Sur and Smt. Malabika Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref No Ac-52/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 97, situated at Dhan Debi Khanna Road, Calcutta (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-cottahs, 1-chittak and 28-sq. ft, situated at 97, Dhan Debi Khanna Road, Calcutta, under P. S. Beliaghata.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 31-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. KHR, 6/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 222, Phase 7 measuring 6 marlas situated at Mohali Teh. Kharar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Baljinder Kaur d/o Shri Bawa Singh,
R/o 222, Phase 7 Mohali, Teh. Kharar.

(Transferor)

- (2) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Bhagat Singh,
r/o Ramgarh Sainia, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 222, Phase 7, measuring 6 marlas at Mohali Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the Registered sale deed No. 362 of April, 1979 of the Registering Authority, Kharar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/25/79-80.—Whereas, J. R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 3570, Cheema Park, near Model Gram Station, Ludhiana situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Surjit Singh,
H. No. 3570, Cheema Park, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Mohkam Singh, Shri Ajit Singh S/o Shri Dalip Singh s/o Shri Bishan Singh,
R/o 3290, Vir Parwar Colony, New Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3570, measuring 337.79 sq. yds. on Cheema Park near Model gram Station Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 187 of April, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. KHR/7/79-80.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 110, Phase I, Area 262.5 sq. yds. situated at Mohali Teh. Kharar Distt. Ropar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Hardeep Kaur w/o Shri Surjit Singh,
R/o 3088, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferor)

(1) (1) Shri Jodh Singh s/o Shri Isher Singh,

(2) Smt. Prem Kaur w/o Shri Jodh Singh,
R/o H. No. 110, Phase I, Mohali Teh. Kharar,
Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 110, Phase No. 1, measuring 262.5 sq. yds. situated in Mohali Teh. Kharar Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 367 of April, 1979 of the registered Officer, Kharar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) G/Shri Harjit Singh and Ajmer Singh Ss/o Shri Chanan, resident of Village Nandpur, Teh. and Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Sagar Engg. Works, Unit No. 2, Plot No. 419, Indl. Area 'A', Ludhiana through its partners Sh. Kirpal Singh s/o Shri Atma Singh, 419, Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/R/8/79-80.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanals situated at Village Nandpur Teh. and Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals situated in Village Nandpur Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 328 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/R/111/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanals 2 marlas situated at Village Nandpur Tehsil and Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Harjit Singh,
(2) Shri Ajmer Singh Ss/o Shri Chanan,
R/o Village Nandpur, Tehsil and Distt. Ludhiana,
(Transferor)
- (2) M/s. Sagar Engg. Works Unit No. 2,
Plot No. 419, Indl. Area 'A', Ludhiana,
through Shri Sat Pal Singh s/o Shri Atma Singh,
419, Industrial Area 'A', Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 2 marlas situated in Village Nandpur Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned the sale deed No. 2810 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. RPN/4/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 19 bighas 9 biswas situated at Dhanauri, Tehsil Ropar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ropar in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—416 GI/79

(1) (1) Smt. Kaushalya d/o Shri Ram Kishan,
(2) Smt. Kako wd/o Shri Ram Kishan,
R/o Dhanauri, Teh. Ropar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdas, Ram Chand, Karam Chand, Darshan Chand ss/o Shri Pritam Chand,
Shri Pritam Chand s/o Shri Sant Ram,
R/o Dhanauri, Teh. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 bighas 9 biswas situated in Village Dhanauri, Teh. Ropar.

(The property as mentioned in the registered deed No. 666 of May, 1979 of the Registering Authority, Ropar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sucha Singh s/o Shri Dalbara Singh,
R/o H. No. 22/9, Dashmesh Nagar, Gali No. 1,
Gill Road, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/24/79-80.—Whereas, I, R. K.
MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 27-E, Sarbha Nagar, situated at Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

(2) Shri Jaswant Singh s/o Shri Kartar Singh,
s/o Shri Rattan Singh,
R/o 258, Indl. Area 'A', Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 27-E, measuring 825 sq. yds. situated in Sarbha
Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No.
176 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/59/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. B-XIII 1409, Sukhram Nagar, Ludhiana situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ganga Devi w/o Shri Kala Singh C/o M/s. Shri Kala Singh Buta Singh, Cloth Merchants, Jail Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Satya Rani w/o Shri Harish Chander, R/o B-XIII-1409, Sukhram Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XIII-1409, measuring 222½ sq. yds. situated at Sukhram Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Sale Deed No. 574 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Sampuran Singh s/o Shri Pirthi Singh,
1223, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S/Shri Inderpal Singh & Shri Amar Pal Singh s/o
Shri Gurbaran Singh of Ropar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. RPN/1/79-80.—Whereas, I. R. K.

MALHOTRA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 82 bighas 17 biswas situated at Village
Nunowal No. 77, Teh. Ropar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ropar in April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 82 bighas 17 biswas situated
at Village Nunowal No. 77, Tehsil Ropar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 23 of
April, 1979 of the Registering Authority, Ropar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/40/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ share in house No. 13-R, Model Town, Ludhiana situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Rattan Singh s/o Sh. Ranjit Singh,
2264, Gali No. 67, Nai Wali Gali, Gurdwara Road,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Wanti w/o Shri Munshi Ram,
603/1, New Janta Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in House No. 13-R Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 429 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/42/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. ½ share in house No. 13-R, Model Town, Ludhiana, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jiswant Kaur w/o Sh. Rattan Singh s/o Sh. Ranjit Singh,
R/o 2264, Gali No. 67, Nai Wali Gali, Gurdwara Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Bipan Kumar s/o Sh. Munshi Ram,
604/1, New Janta Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in House No. 13-R, Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 460 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/63/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-II/1561/1, Kucha Pt. Des Raj Near Clock Tower, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Kanta Saggar w/o Sh. Dharambir Saggar, R/o 66-Sant Nagar, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Mrs. Kanta Goyal w/o Shri Bhim Sain, R/o 33-B, Udhampur Singh Nagar, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) M/s. Mukim Medical Agencies, Shop No. B-II-1561/1, Kucha Pt. Des Raj, Ludhiana.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storey Commercial cum residential property measuring 53-1/3 sq. yds. in Kucha Pt. Des Raj Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 636 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/26/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 6 kanal 5 marlas situated at Village Attewali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Inder Singh s/o Shri Arur Singh,
R/o Village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) S/Shri Dalip Singh and Jagir Sings ss/o Shri Khazan Singh,
R/o Village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 kanals 5 marlas situated at Village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 501 of May 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/27/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 kanals 12 marlas situated at Village Attewali Tehsil Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—416 GI/79

(1) Shri Inder Singh and Balkar Singh ss/o Shri Arur Singh R/o Village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh and Jagir Singh ss/o Shri Khazan Singh, Village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 kanals 12 marlas situated at village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 502 of May 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/52/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 40-D, Model Town, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hazura Singh s/o Shri Kirpa Singh s/o Shri Jawahar Singh,
R/o H. No. 40-D, Model Town, Patiala.

(Transferor)

(2) (1) Shri Surjit Singh s/o Shri Gurdit Singh and
(2) Shri Charan Pal Singh s/o Shri Surjit Singh,
R/o H. No. 40-D, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 40-D, measuring 300 sq. yds. situated in Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 765 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/17/79-80.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8, situated in Ajit Nagar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—416GI/79

- (1) Smt. Satinder Kaur w/o Shri Jagdish Singh Phoolka
R/o Vill. P.O. Ber Khurd, Distt. Ludhiana,

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Raj Dulari Wd/o Late Shri Des Raj,
(2) Shri Om Parkash,
(3) Shri Subash Chander,
(4) Shri Anil Kumar, Ss/o Late Des Raj,
R/o Amit Nagar, Patiala.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, measuring 500 sq. yds. situated in Ajit Nagar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 374 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. CHD/20/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Plot No. 1571, Sector 34-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Mrs. Major Sarla Sharma,
Command Hospital, Alipur Road, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Dr. D. V. Vadehra and Mrs. Surinder Vadehra,
R/o W-4, Sector 14, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1571 measuring 631.37 sq. yds. situated in Sector 34-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 87 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. CHD/1/79-80.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ share in plot No. 767, Sector 8-B, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Col. Phuman Singh Gill s/o Shri Sunder Singh Gill, Amritsar Cantt., through his Attorney Smt. Gian Kaur w/o Shri Mohan Singh, R/o 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Sukhdev Singh s/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Mrs. Gian Kaur w/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Person in occupation of the Property).
- (4) Shri Inderjit Singh s/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in Plot No. 767 measuring 999.4 sq. yds. situated in Sector 8-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 8 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. CHD/2/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ share in plot No. 767, sector 8-B, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Col. Phuman Singh Gill s/o Shri Sunder Singh Gill, r/o Amritsar, Cantt., through his Attorney Smt. Gian Kaur w/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Inderjit Singh s/o S. Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Smt. Gian Kaur w/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Person in occupation of the Property).
- (4) Shri Sukhdev Singh s/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in Plot No. 767 measuring 999.4 sq. yds. situated in Sector 8-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered sale deed No. 9 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. RAJ/34/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 77 kanals 10 marlas situated at Vil. Kehargarh Teh. Rajpura Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajpura in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—416GI/79

- (1) (1) Shri Lal Singh s/o Shri Ugar Singh,
(2) S/Shri Ajmer Singh,
(3) Shri Gurbachan Singh,
(4) Shri Gurcharan Singh, and
(5) Harjit Singh ss/o Lal Singh s/o Ugar Singh,
R/o Village, Kehargarh Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Shri
(1) Bahadur Singh
(2) Chattar Singh,
(3) Amrik Singh,
(4) Bhupinder Singh ss/o Shri Inder Singh s/o Uttam Singh,
r/o Village Gurditpura Alias Naitain,
Teh. Rajpura Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 77 kanals 10 marlas situated at Kehargarh Teh. Rajpura, Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 509 of May, 1979 of the Registering Authority, Rajpura).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/10/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 31 kanals 11 marlas situated at Narainpura Alias Sheikhpura, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) Maj. Surinder Pal Singh, & Amar Pal Singh ss/o Shri Rajinder Singh s/o Shri Gobind Singh of Dehradun, R/o Village Narainpura alias Sheikhpura, Teh. Sirhind.

(Transferor)

(2) Shri Virrnder Singh s/o Shri Harbaksh Singh, Ajit Singh s/o Shri Atma Singh s/o Shri Jata Singh Resident of Khampur Sub-Teh. Sirhind r/o Khanpur Sub Teh. Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 kanals 11 marlas situated at Narainpura Alias Sheikhpura Tehsil Sirhind.
(The property as mentioned in the sale deed No. 171 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SML/4/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property and land known as 'Edgeworth' Simla, situated at Station Ward, Chhota Simla Tehsil and Distt. Simla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—416 GI/79

(1) Shri Kartar Singh Malhotra I.A. & A.S. (Retired)
s/o Late Shri Labh Singh Malhotra of Gujranwala,
R/o Edgeworth, Chhota Simla (H.P.).
(Transferor)

(2) (1) Sh. Krishan Gopal Bhasin s/o Late Shri
Lachman Dass Bhasin,
(2) Shri Om Parkash Bhasin s/o Late Shri
Lachman Dass Bhasin,
(3) Shri Surinder Kumar Bhasin s/o Late Shri
Lachman Dass Bhasin,
(4) Shri Arun Kumar Bhasin s/o Shri Krishan
Gopal Bhasin,
All R/o New Ellingham Lodge, Cart Road,
Simla-I(H.P.).
(Transferees)

(4) Shri Suresh Chand Bhalaik & Others,
Edgeworth, Chhota Simla.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building known as 'Edgeworth' situated in Station ward, Chhota Simla (H.P.).

(The property as mentioned in the Registered deed No. 244 of April, 1979 of the Registering Authority, Simla).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 7th December 1979

Ref. No. SMN/12/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 72 kanals 16 marlas situated at Village Bahamana Sub. Teh. Samana, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Samana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurhari Singh s/o Shri Harnam Singh,
R/o Village Bahamana Sub. Teh. Samana, Distt.
Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Sewa Singh s/o Shri Gurhari Singh,
R/o Village Bahamana Sub. Teh. Samana Distt.
Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 72 kanals 16 marlas at Vill. Bahamana Sub-Teh. Samana Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No 280 of May, 1979 of the Registering Authority, Samana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/3/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 28 bighas 18 biswas at Village Balahari Tehsil Sirhind situated at Village Balahari Teh. Sirhind and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Surjan Singh s/o Shri Maha Singh,
R/o Balahari Khurd Teh. Sirhind, Dist. Patiala.
(Transferor)
- (2) S/Shri Gamdoor Singh, Charanjit Singh, Ss/o
Rai Shri Singh s/o Shri Amar Singh,
R/o Village Balahari Teh. Sirhind, Dist.
Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 bighas 18 biswas situated at Balahari Khurd Teh. Sirhind, Dist. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 66 of April 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DBS/4/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land 11 kanals 12 marlas situated at Lohgarh Teh. Dera Bassi Distt. Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Akki Devi w/o Shri Dawarka Dass,
S/o Shri Shankar Dass,
R/o Bhawt Teh. Kharar Distt. Ropar. (Transferor)
- (2) (1) Shri Hira Lal Sibai s/o Shri D. D. Sibai,
R/o Kothi No. 29, Sector 5, Chandigarh.
(2) Shri R. K. Nanda s/o Shri M. L. Nanda,
R/o 16 Bellvedere Road, Calcutta-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 kanals 12 marlas situated at Village Lohgarh Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 110 of May 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DBS/22/79-80.—Whereas, I, R. K.

MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Agricultural land measuring 24 bighas situated at Vill.

Jarrot Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Hakam Singh,
(2) Shri Ram Karan,
(3) Sh. Rnm Singh ss/o Sh. Pritam Singh of Jarrot R/o Kardhan Teh. and Distt. Ambala.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Rattan Singh,
(2) Shri Nirmal Singh,
(3) Gurmail Singh ss/o Shri Narang Singh s/o Shri Dial Singh and
(4) Shri Harjinder Singh s/o Shri Bhag Singh s/o Dials Singh,
R/o Batauli Sub-Teh. Dera Bassi, Teh. and Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 baghas situated at Jarrot Sub-Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 254 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. NBA/34/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25, and bearing No.

Agr. Land measuring 20 kanals situated at Village Pedan Teh, Nabha Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Nabha on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baldev Singh s/o Smt. Nihal Kaur w/o Shri Hardit Singh,
R/o Village Balpur Teh. Sirhind Distt. Patiala
(Transferor)
- (2) S/Shri
 - (1) Parmjit Singh,
 - (2) Surinder Singh,
 - (3) Baljit Singh,
 - (4) Baljinder Singh ss/o Shri Kartar Singh s/o Shri Bishan Singh,
R/o Village Pedan Teh. Nabha Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanals situated in Village Pedan Teh. Nabha Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 471 of May, 1979 of the Registering Officer, Nabha).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. CHD/13/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. $\frac{1}{2}$ share of incomplete industrial building No. 73, Ind. No. 81, Industrial Area, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Shri Raghbir Singh and Chattar Singh
s/o Late Shri Jagat Singh
R/o 240/9C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Sita Wanti w/o Shri Mohan Singh,
(2) Smt. Biba Bakshi w/o Shri Amarjit Singh,
(3) Shri Gobind Singh s/o Shri Mohan Singh,
R/o H. No. 120, Sector 36-A, Chandigarh.
(4) Smt. Gurbinder Kaur w/o Shri Harmohinder Singh and
(5) Shri Jatinder Singh s/o Shri Harmohinder Singh,
R/o 141, Sector 16-A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share of incomplete Industrial Building No. 73, Ind. No. 81, Industrial Area, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 50 of April, 1979 of the Registering Authority at Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DLH/1/79-80.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 'Diwan Lodge', North Block, Panjpulla Road, Dalhousie situated at Dalhousie

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dalhousie in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Iqbal Nath Khosla s/o Late Shri Prem Nath Khosla through General Attorney
Shri Som Nath Khosla s/o Late Shri Prem Nath Khosla,
R/o Diwan Lodge, GPO Panjpulla Road, Dalhousie.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Mahajan w/o Shri Shori Lal Mahajan,
R/o Diwan Lodge, Panjpulla Road, Dalhousie (H.P.).

(Transferee)

(4) Shri Manmohan Nath Khosla and
(2) Shri Som Nath Khosla ss/o Shri Prem Nath Khosla,
R/o Diwan Lodge, Panjpulla Road, Dalhousie (H.P.).
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Diwan Lodge, North Block Panjpulla Road, Dalhousie.
(The property as mentioned in the registered deed No. 62 of April, 1979 of the Registering Authority, Dalhousie).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DLH/2/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 'Diwan Lodge', South Block on Panjpulla Road, Dalhousie situated at Dalhousie, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dalhousie in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

23—416 CH/79

(1) Shri Som Nath Khosla s/o Late Shri Prem Nath Khosla,
Diwan Lodge, GPO Panjpulla Road, Dalhousie (H.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Mahajan w/o Shri Shori Lal Mahajan
R/o 'Diwan Lodge' Panjpulla Road, Dalhousie.

(Transferee)

(4) (1) Shri Manmohan Nath Khosla and
(2) Shri Iqbal Nath Khosla ss/o Late Shri Prem Khosla,
R/o Diwan Lodge, Panjpulla Road, Dalhousie.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Diwan Lodge, South Block on Panjpulla Road, Dalhousie (H.P.).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 63, of April, 1979 of the Registering Authority, Dalhousie).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DBS/1/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 11 kanals 12 marlas situated at Lohgarh Sub-Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Akki Devi w/o Shri Dwarka Dass s/o Shri Shankar Dass,
R/o Bhawat Teh. Kharar Distt. Ropar,
(Transferor)

(2) (1) Smt. Asha Nanda w/o Shri P. K. Nanda,
R/o 16 Belvedere Road, Calcutta-27.

(2) Shri Hira Lal Sibbal Advocate
s/o Shri D. D. Sibbal,
R/o 29/5, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 kanals 12 marlas situated at Lohgarh Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 65 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/9/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 31 Kanals 11 Marlas situated at Narainpura alias Sheikhpura Teh. Sirhind Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Maj. Surinder Pal Singh & Amar Pal Singh
Ss/o Shri Rajinder Singh s/o Shri Gobind Singh
of Dehradun r/o Vill. Narainpura alias Sheikhpura,
Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferors)

- (2) S/Shri Sukhbir Singh, Rajbir Singh & Bikrambir Singh ss/o Shri Harbans Singh,
Resident of V. & P.O. Khanpur Tehsil Sirhind,
Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 Kanal 11 Marlas situated at Narainpura alias Sheikhpura Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 170 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/7/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 31 Kanals 12 Marlas situated at Narainpura alias Sheikhpura Teh. Sirhind Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maj. Surinder Pal Singh & Amar Pal Singh
Ss/o Shri Rajinder Singh s/o Shri Gobind Singh
of Dehradun r/o Vill. Narainpura alias Sheikhpura,
Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferors)

- (2) S/Shri Jagdev Singh & Harbhajan Singh
Ss/o Shri Mohan Singh,
R/o V. Khanpur P.O. Tehsil Sirhind,
Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 31 Kanals 11 Marlas, situated at Narainpura alias Sheikhpura Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 168 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/8/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 31 Kanals 12 Marlas situated at Narainpura alias Sheikhpura Teh. Sirhind Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. Surinder Pal Singh & Amar Pal Singh
S/o Shri Rajinder Singh s/o Shri Gobind Singh
of Dehradun r/o Vill. Narainpura alias Sheikhpura,
Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferors)

(2) Shri Virinder Singh s/o Shri Harbans Singh,
R/o V. Khanpur, Tehsil & P.O. Sirhind,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 31 Kanals 12 Marlas, situated at Narainpura alias Sheikhpura Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 169 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/6/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land measuring 31 Kanals 12 Marlas, situated at Nairainpura alias Sheikhpura, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. Surinder Pal Singh & Amar Pal Singh
Ss/o Shri Rajinder Singh
of Dehradun r/o Vill. Narainpura alias Sheikhpura,
Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.
(Transferors)

(2) Shri Satnam Singh s/o Shri Nachhatar Singh,
Resident of V. & P.O. Khanpur Tehsil Sirhind,
Distt. Patiala.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 Kanals 12 Marlas, situated at Narainpura alias Sheikhpura Tehsil Sirhind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 167 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/6/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 40 kanals 19 marlas situated at Vill. Dadoa Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jangir Singh s/o Shri Bishan Singh,
R/o Village Dadoa Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Mohinder Singh and Mal Singh
Ss/o Bachan Singh
R/o Dadoa Teh. & Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 kanals 19 marlas situated at Village Dadoa Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 81 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/8/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land measuring 40 kanals 19 marlas situated at Vill. Dadoa Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jangir Singh s/o Shri Bishan Singh,
R/o Village Dadoa Teh. & Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) S/Shri Ishar Singh & Lal Singh
Ss/o Bachan Singh
R/o Village Dadoa Teh. & Distt. Patiala.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 kanals 19 marlas situated at Village Dadoa Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 130 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ruldu Ram s/o Shri Charanji Lal,
R/o Sirhindi Bazar, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Deepak Madan,
Sh. Rakesh Madan s/o Shri Chetan Dass,
R/o Sirhindi Bazar, Patiala.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Shri Hans Raj,
R/o Shop No. 3482/2, 1st Floor,
Sirhindi Bazar, Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons.
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3482/2, Sirhindi Bazar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No.
427 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PAT/20/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storeyed shop No. 3482/2,
situated at Sirhindi Bazar, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—
24—416 GI/79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. BRN/92/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 5 kanal 2 marlas situated at Barnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or -

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Rur Singh,
Janda Wala Road, Near Radha Sawami Bhawan,
Barnala.

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Swaran Kaur
C/o Shri Sukhdev Singh
(Clerk Food & Supply Office),
Ward No. 4, Kacha College Road,
Near Income-tax Office, Barnala.
(ii) S/Shri Karam Singh, Mangal Singh, Amarjit Singh s/o Shri Dalip Singh Tailor Master,
H. No. B-10-376, Ward No. 5. Near Bus Stand,
Barnala.
(iii) Shri Jit Singh s/o Shri Jagar Singh,
Smart Tailors, Choura Morcha Bazar,
Barnala.
(iv) Shri Darshan Singh Kaith s/o Shri Bhag Singh,
Sandhu Patti, H. No. B-V-394,
Barnala.
(v) Shri Ram Gopal s/o Shri Baru Ram,
Drawing Teacher, Govt. High School,
V. Dhaunala Teh. Barnala.
(vi) Shri Gian Chand s/o Shri Brij Lal Gupta,
Chief Booking Clerk, Railway Station,
Barnala.
(vii) Sh. Bhushan Kumar s/o Sh. Om Parkash Pandit
H. No. B-X-258, Purani Sabji Mandi,
(College Road), Barnala.
(viii) Shri Manish Kumar s/o Shri Jagan Nath,
Gold Smith, Main Bazar, Vill. Dhaunala Teh.
Barnala.
(ix) Shri Prem Kumar s/o Chet Ram,
Lawaria Mohala, near Telephone Exchange,
Dhaunala Teh. Barnala.
(x) Smt. Indera Devi w/o Shri Sarup Chand,
V. & P.O. Harigarh Via. Dhaunala Teh.
Barnala.
(xi) Smt. Lakshmi Devi
W/o Shri Daya Krishan Barnala
C/o Shri Joginder Singh s/o Rur Singh,
Janda Wala Road, Near Radha Sawami Bhawan,
Barnala.
(xii) Smt. Swatri Devi
W/o Shri Gobind Ram Dhaunala
C/o Shri Joginder Singh s/o Shri Rur Singh,
Janda Wala Road, Near Radha Swami Bhawan,
Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanal 2 marlas situated at Radha Swami Bhawan, Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3884 of June, 1979 of the Registering Authority, Barnala)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/39/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Share in Plot No. 3-B, measuring 1000 sq. vds. situated at Industrial Area 'A' Extension, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Sudhir Kumar Bhalla &
Rajinder Kumar Bhalla
Ss/o Shri Dharam Parkash Bhalla
R/o 25-Green Park, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Ram Sahai Aggarwal & Sons,
Dal Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in Plot No. 3-B, measuring 1000 sq. yards situated in Industrial Area 'A' Extension, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 395 of April, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. IDH/50/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot No. 2-B, measuring 400 Sq. yds. in Industrial Area 'A' Gupta Road, situated at Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Santokh Singh
S/o Sh. Karnail Singh s/o Sh. Babu Singh
R5/o Jandiala Teh. Phillaur Distt. Jullundur Now
R/o Ganilag Road, South Hall Middle Sex., U.K.
Through Shri Pawittar Singh s/o Mastan Singh,
General Attorney.
(Transferor)
- (2) Shri Gurbax Singh s/o Shri Kishan Singh,
C/o Quality Scientific Dyers, 2-A, Gupta Road,
Industrial Area 'A', Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 2-B, measuring 400 Sq. yds. situated in Industrial Area 'A', Gupta Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 532 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/172 '79-80.—Whereas, I, R. K.
MALHOTRA,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.Plot No. 2A, measuring 400 sq. yds. situated in Industrial
Area 'A', Gupta Road, Ludhiana situated at Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in June, 1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Balbir Kaur w/o Shri Santokh Singh,
R/o Jandiada Teh. Phillaur Distt. Jullundur Now
87-Gannilag Road, South Hall Middle Sex,
Through Shri Pawitter Singh s/o Mastan Singh
General Attorney.

(Transferor)

- (2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Gurbax Singh
S/o Kishan Singh
C/o M/s. Quality Scientific Dyers, 2-A, Gupta Road,
Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2-A, measuring 400 Sq. yds. situated in Industrial
Area 'A' Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Sale Deed
No. 1858 of June, 1979 of the Registering Authority,
Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. NBA/12/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 15 bighas 7 biswas, situated at village Aggetti, Teh. Nabha, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Tara Rani alias Tara Devi
D/o Shri Basant Rai now w/o Sh. Sarbjit Rai
R/o Village Aggetti, through General Attorney,
Shri Gian Chand s/o Basant Rai.
 2. Sh. Sarvesh Kumar alias Sudesh Kumar
S/o Shri Wishva Mittar s/o Sh. Rattan Chand,
r/o Village Rahon Distt. Jullundur, through
General Attorney Shri Gian Chand
s/o Shri Basant Rai.
 3. Suraj Kumari, Suraksha Devi
Grand daughters of Shri Basant Rai and
D/o Wishwa Mittar s/o Rattan Chand
r/o Rahon Distt. Jullundur, through General
Attorney Shri Gian Chand
s/o Shri Basant Rai.
- (Transferor)
- (2) S/Shri Gurdev Singh, Ajmer Singh, Bhag Singh,
Nirbhaj Singh ss/o Shri Sadhu Singh,
R/o Village Aggetti, Teh. Nabha, Distt. Patiala.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bighas 7 biswas situated in Village Aggetti, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 220 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS, ----

(1) S/Shri Gian Chand, Ramesh Chand, Dhani Ram
Ss/o Shri Roshan Lal Gupta,
R/o Sirhindi Bazar, Darshanj Gate,
Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjan Dass s/o Shri Balu Ram,
General Marchants,
3475/2, Sirhindi Bazar,
Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/13/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop property No. 3475/2, situated at Sirhindi Bazar, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop property No. 3475/2, Sirhindi Bazar, Patiala.
(The property as mentioned in the registered deed No. 259 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7th December 1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Labh Singh s/o Amar Singh,
R/o Village Kukkar Majra, S. Teh. Amloh.
(Transferor)
- (2) Shri Babu Singh s/o Santa Singh,
R/o Lad Pur S. Teh. Amloh Distt. Patiala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/8/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 10 biswas situated at Kukkar Majra, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 10 biswas situated in Village Kukkar Majra S. Teh. Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 74 of April, 1979 of the registering Authority, Amloh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7th December 1979

Seal :—

FORM ITNS(1) Shri Harmit Singh s/o Shri Hardial Singh,
R/o 5-E, Baradari, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Gurjit Singh s/o Shri Ram Narain,
Smt. Romesh Kumari d/o Chiman Lal,
R/o Village Jhill, Teh. Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/14/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 kanals 10 marlas situated at Village Jhill, Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

25—416 GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 10 marlas situated in Village Jhill, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 339 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/1/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Plot of land measuring 12 biswas at Kukkarmajra Mandi Gobind Sub-Teh. Amloh, situated at Kukkarmajra Mandi Gobindgarh Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tara Singh s/o Shri Amar Singh
R/o Village Kukkarmajra Mandi Gobindgarh
Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Baldev Kumar s/o Sh. Ghansham Dass
R/o Mandi Gobindgarh Sub-Teh. Amloh
Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 12 biswas situated in Kukkarmajra Mandi Gobindgarh Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 12 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/15/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 15 bighas $\frac{1}{2}$ biswas situated at Village Ajnali Teh. Sirhind Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kamal Dutt s/o Shri Dharam Pal
S/o Shri Ganda Mal
R/o Village Ajnali Teh. Sirhind Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Bachan Singh s/o Shri Chanan Singh,
Son of Shri Roda Singh,
Village Ajnali Teh. Sirhind Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bighas $\frac{1}{2}$ biswas at Vill. Ajnali Teh. Sirhind Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 223 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th December 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/14/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 15 bighas + biswas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Dharam Pal s/o Sh. Ganda Mal s/o Sh. Jawahar Mal r/o Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala. (Transferor)

(2) Smt. Malkiat Kaur w/o Sh. Bachan Singh s/o Chanan Singh, r/o Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bighas + biswas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Sirhind.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 222 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/53/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 13 bighas, situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Badri Nath s/o Sh. Mast Ram, r/o Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Hardev Singh s/o Sh. Darbara Singh, r/o Kukarmajra S. Teh. Amlah, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 bighas situated in Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 713 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/7/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 13 biswas 4 biswasi, situated at Kukkar-Majra, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amloh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Labh Singh s/o Amar Singh,
r/o Vill. Kukkar-Majra, S. Teh. 9mlor, Distt.
Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi w/o Sh. Gian Chand and Sh. Sanjiv Kumar s/o Sh. Mohan Lal r/o Mandi Gobindgarh S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 biswas 4 biswasi situated in Vill. Kukkar-Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 73 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

P. K. MALHOTRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/50/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 12 Bighas 5 biswas situated at Vill. Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

(1) Sh. Kartar Singh s/o Sh. Mihal Singh, resident of Vill. Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.
(Transferor)

(2) S/Sh. Hardev Singh, Baldev Singh, Sukhdev Singh and Randhir Singh sons of Sh. Kartar Singh s/o Vill. Kukkar Majra, Sub. Teh. Amloh, Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 5 biswas at Vill. Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 672 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/R/1/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 51 kanals situated at Kutbawal Gujran, Teh. & Distt. Ludhiana, situated at V. Kutbawal Gujran, Teh. & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Jagjit Singh, Mohan Singh & Smt. Harbhajan Kaur sons & daughter of Sh. Dewa Singh s/o Sh. Jagat Singh, Brown Road, Ludhiana through Sh. Harminder Singh s/o Sh. Panjab Singh, General Attorney, B-X-796, Khud Mohalla, Brown Road, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Saroj Karwal w/o Sh. Satya Pal Karwal, resident of 148/11-A, Chandigarh through Sh. Satya Pal Karwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 51 kanals situated at Kutbawal Gujran Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 51 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Sadhu Singh s/o Sh. Rurh Singh, Jandawal Road,
Near Radha Swami Bhawan, Barnala.

(Transferor)

(2) Sh. Kultar Singh s/o Sh. Khem Singh, B-II-684, Ward
No. 9, Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. BRN/95/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3 kanals situated at Barnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
26—416 GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals situated at Barnala (Near Radha Swami Bhawan).

(The property as mentioned in the sale deed No. 3887 of June, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/2/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 9 bighas 15 biswas situated at Vill. Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Darshan Singh s/o Sh. Gian Singh, r/o Vill. Kukkarmajra Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) M/s. Hansco Steel, Nasrali Gate, Mandi Gobindgarh, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala through Sh. Hans Raj. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas 15 biswas in Vill. Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 50 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/4/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing

No. Land measuring 7 bighas 1 biswas situated at Vill. Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dhanna Singh s/o Sh. Jagat Singh r/o Vill. Jassran Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Sh. & Smt. 1. Rattan Chand s/o Charanji Lal, 2. Dhanwant Rai s/o Faquir Chand, 3. Santosh Kumari w/o Rajinder Kumar and 4. Narinder Kumar s/o Bhugwan Dass—all residents of Vill. Jassran Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bighas 1 biswas situated at Vill. Jassran Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 24 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

R. K. MALHOTRA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA 16/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land with Godown & House building, situated at Sanauri Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sh. Dinesh Kumar s/o Sh. Dev Barat, r/o Sanauri Road, Patiala.

(Transferor)

- (2) S. Shri Chanda Singh, Mukhtiar Singh s/o Sh. Nahar Singh, Village Kula Majra, Smt. Parminder Kaur d/o Shri Ishar Singh, Smt. Ranjit Kaur d/o Shri Mohar Singh, r/o Patiala.

(Transferees)

- (3) Shri Priya Barat s/o Shri Dev Barat, Farm House, Sanauri Road, opp. Brick Kiln, Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land with Godown & House building situated at Sanauri Road, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 368 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. NBA/6/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ share of House No. 790, situated at Cinema Road, Nabha, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Paramjit Kaur wd/o Sh. Bachittar Singh, Shri Jagminder Singh, Inderjit Singh, Satwant Singh minor ss/o Shri Bachittar Singh, Kuljit Kaur (Minor) d/o Sh. Bachittar Singh through N/G Smt. Paramjit Kaur, Smt. Kartar Kaur wd/o Sh. Gurdial Singh, r/o Cinema Road, Nabha.

(Transferors)

- (2) S/Shri Vidya Rattan, Rajinder Kumar ss/o Thakar Dass, r/o Bansan Street, Nabha.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of House No. 790, situated at Cinema Road, Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 128 of April, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Kartar Kaur wd/o Sh. Gurdial Singh r/o Cinema Road, Nabha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Raj Kumar s/o Sh. Thakar Dass s/o Sh. Gujjar Mal, r/o Bansari Street, Nabha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. NBA/4/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of House No. 790, situated at Cinema Road, Nabha, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Nabha in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. 790, situated at Cinema Road, Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 118 of April, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/9/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2 bighas 6 biswas, situated at Guru-Ki Nagari, Dadheri Road, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mehar Singh
s/o Shri Pakhar Singh
r/o Dadheri Road, Mandi Gobindgarh
S. Teh. Amloh, Distt. Patiala,

(Transferor)

(2) M/s. Navyug Steel Corporation,
through Shri Piem Singh, Prop.,
Guru Ki Nagari, Dadheri Road,
Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 6 biswas situated at Guru Ki Nagari, Dadheri Road, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh. Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 77 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/5/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 5 bighas 7½ biswas, Guru-Ki-Nagri, Dedheri Road, situated at Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh, Distt Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mehar Singh
s/o Shri Pakhar Singh
r/o Dadheri Road, Mandi Gobindgarh
S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) M/s Guru Ram Dass Iron & Steel Rolling Mills,
Guru-Ki-Nagri Dedheri Road,
Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh,
through Sh. Kirpal Singh (Partner). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas 7½ biswas situated at Guru-Ki-Nagri, Dedheri Road, Mandi Gobindgarh, Sub-Tehsil, Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 64 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/22/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 15-A(1), measuring 1492 Sq. Yds. situated at Model Town, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—
27—416 G1/79

- (1) Smt. Harbans Kaur
d/o Shri Dhian Singh
r/o B-66, Greater Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Manmohan Singh
s/o Shri Avtar Singh,
r/o 741/3, Mohalla Khalsa, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15-A(1), measuring 1492 Sq. Yds., situated at Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 434 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE

BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/24/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 15-A(2), measuring 1668 Sq. Yds.

situated at Model Town, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harbans Kaur
d/o Shri Dhian Singh,
r/o B-66, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Mohinder Kaur
w/o Shri Avtar Singh,
r/o 741/3, Mohalla Khalsa, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15-A(2) measuring 1668 Sq. Yds. situated at Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 449 of the April, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. KHR/5/79-80.—Whereas, J. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 12 kanal 12 marlas with poultry sheds etc. situated at Vill. Bhago Majra Tehsil Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harcharan Singh
s/o Shri Daljit Singh
s/o Shri Bhola Singh,
r/o H. No. 1113, Sector 33-C, Chandigarh.
(29, Sector 8-A, Chandigarh).

(Transferor)

- (2) Smt. Surjit Kaur
w/o Shri Avtar Singh
s/o Shri Harnam Singh,
r/o 1172, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals 12 marlas with poultry sheds etc. situated at Vill. Bhago Majra Tehsil Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 346 of April, 1979 of the Registering Authority, Kharar):

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/19/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 3312, Sector 27-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mohinder Pal Kaur
wd/o Lt. Cap. Randhir Singh,
Shri Devinder Singh
s/o Lt. Cap. Randhir Singh,
Miss Ravinder Kaur
d/o Lt. Cap. Randhir Singh,
r/o Q. No. 3, Police Station, Sector 26,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Tilak Raj Tandon
s/o Shri Jagan Nath,
r/o H. No. B-57, CSIO Colony, Sector 30,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 3312, Sector 27-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 78 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/22/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

$\frac{1}{2}$ share in H. No. 1471, situated at Sector 22-B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Chand Mahajan
s/o Shri Duni Chand Mahajan,
r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Mrs. Urmila Sood
w/o Shri Sat Pal Sood,
through General Attorney,
Shri S. D. Sood
s/o Shri Jagat Ram Sood,
r/o H. No. 1645, Sector 22-B, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) 1. Sh. Ram Chand Mahajan
s/o Shri Duni Chand Mahajan,
2. Shri Punit Pal,
3. Smt. Krishna Abrol, F.F.,
4. Shri Chaman Lal Abrol,
5. Shri Amir Chand,
6. Smt. Kesra Devi,
7. Smt. Krishna Oberoi,
all r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share in H. No. 1471, Sector 22-B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 92 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. C HD/25/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1740, measuring 253.5 sq. yds., situated at Sector 34-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Naib Subedar Gurmeet Singh
s/o Shri Dharam Singh
c/o 371, Signal Regiment
c/o 99 APO through his Special Attorney
Shri Chander Mohan
s/o Shri Ishar Dass
r/o 1925, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur
w/o Cap. D. S. Oberoi,
r/o 1740, Sector 34-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1740, measuring 253.5 sq. yds., Sector 34-D, Chandigarh.

(The Property as mentioned in the Registered Deed No. 96 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/16/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1417, measuring 338 sq. yds., situated at Sector 34-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Flt. Lt. Amarjit Singh Chawla
s/o Shri Sarup Singh Chawla
c/o H. No. 1104, Sector 23-B, Chandigarh
through Special Attorney
Shri Bhagwan Das Bector
s/o Shri Hardayal Chand Bector,
r/o 1104, Sector 23-B, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Mrs. Urmil Bector
w/o Shri Bhagwan Das Bector,
r/o H. No. 1104, Sector 23-B, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1417, measuring 338 sq. yds., Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 59 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-12-1979

Seal :

FORM ITNS-1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/24/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3383, measuring 169 sq. yds. situated at Sector 35-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Shri Uttam Singh
s/o Shri Jiwan Singh
r/o IG-30-NIT, Kalyan Singh Chowk,
Faridabad, Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh
s/o Shri Sadhu Ram,
r/o H. No. 3050, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3383, Sector 35-D, Chandigarh measuring 169 sq. yds.

(The property as mentioned in the registered deed No. 94 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-12-1979

Seal :

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/32/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 share in H. No. 1471, Sector 22-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

28—416 GI/79

- (1) Sh. Narinder Nath Mahajan
r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. S. D. Sood s/o Jagat Ram Sood,
r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Sh. Ram Chand Mahajan s/o Sh. Duni Chand Mahajan,
2. Sh. Punit Pal,
3. Mrs. Krishna Abrol, F.F.,
4. Sh. Chaman Lal Abrol,
5. Sh. Amri Chand,
6. Smt. Kesra Devi,
7. Smt. Krishna Oberoi,
all r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share in H.No. 1471, Sector 22-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 154 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 15-12-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. DHR/1-A/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 19 bighas 4 biswas, situated at Village Balia, S. Teh. Dhuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Hazura Singh s/o Sh. Harnam Singh,
r/o Village Balia, Sub-Teh. Dhuri. (Transferor)
- (2) Sh. Pargat Singh s/o Jagrup Singh,
Sh. Lakhmir Singh s/o Sh. Ram Singh,
Sh. Pardeep Singh s/o Sh. Baldev Singh,
r/o Village Balia, S. Teh. Dhuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 bighas 4 biswas situated in Village Balia, S. Teh. Dhuri.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 944 of April, 1979 of the Registering Authority, Dhuri).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 15-12-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. KHR/8/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 50 bighas situated at Kurari, Teh. Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons; namely :—

- (1) Sh. Jarnail Singh Ranghi s/o Sh. Mehar Singh s/o Niranjana Singh, Sh. Ujjagar Singh, Karam Singh, Charan Singh s/o Sh. Mehar Singh s/o Sh. Niranjana Singh r/o Dalautpur Teh. Sirhind, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Sh. Kirti Singh Bedi s/o Sh. Kanwar Dhanwant Singh Bedi s/o Raja Gurbax Singh r/o A-13, Green Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 50 bighas situated at Kurari, Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 345 of April, 1979 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 15-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 17th December 1979

Ref. No. CHD/8/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Plot No. 1303, Sector 33-C, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Chain Singh s/o Sh. Tara Singh r/o Safidon, Distt. Jind, through Special Attorney Sh. Hari Singh Randhawa s/o Hakam Singh r/o 1239, Sector 33-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Gurbachan Kaur Randhawa w/o Sh. Hari Singh Randhawa r/o H. No. 1239, Sector 33-C, Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1303, situated in Sector 33-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 30 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.Date : 17-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 26th December 1979

Ref. No. AMD/2/79-80.--Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated in Keshar Mohalla, Near Telephone Exchange, Mandi Ahmedgarh, situated at Mandi Ahmedgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedgarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Tilak Raj s/o Sh. Bogha Ram alias Sh. Bagha Raj son of Sh. Dharam Chand resident of Ahmedgarh.

(Transferor)

- (2) Nanaksar Thath Ishar Darbar, M-41, Greater Kailash No. 2, New Delhi through Sant Baba Amar Singh Ji s/o Sh. Bakhtawar Singh s/o Shri Inder Singh through Sh. Piara Singh Sidhu son of Sh. Maghar Singh s/o Sh. Inder Singh resident of Barundi Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Mohalla Keshar Near Telephone Exchange, Mandi Ahmedgarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 374 of April, 1979 of the Registering Authority, Ahmedgarh)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 26-12-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 26th December 1979

Ref. No. AMD/1/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated in Keshar Mohalla, Near Telephone Exchange, Mandi Ahmedgarh, situated at Mandi Ahmedgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedgarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Tilak Raj s/o Sh. Bhoga Ram alias Bagha Raj resident of Ahmedgarh.

(Transferor)

(2) Nanaksar Thath Ishar Darbar, M-41, Greater Kailash No. 2, New Delhi through Sant Baba Amar Singh Ji s/o Bakhtawar Singh s/o Sh. Inder Singh through Sh. Piara Singh Sidhu son of Sh. Maghar Singh s/o Sh. Inder Singh resident of Barundi Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Mohalla Keshar Near Telephone Exchange, Mandi Ahmedgarh.

(The property is mentioned the sale deed No. 357 of April, 1979 of the Registering Authority, Mandi Ahmedgarh)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 26-12-79

Seal :

FORM ITNS — — —

- (1) Sri Chukkapalli Tirumala Rao, S/o Thirupathi Venkaiah, Gandhinagar, Vijayawada-3.
(Transferor)
- (2) M/s Popular Shoe Mart, Gandhinagar, Vijayawada.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 942.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Krishnamurthy St. behind Popular Shoe Mart, Gandhinagar, VZA, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 9-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule of the property as per the registered document No. 2314, dated 9-4-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Dated : 10-10-79
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri D. V. S. Ranga Rao, Stuartpetta, Pithapuram.
(Transferor)(2) Smt. Muppana Satyavathi, (ii) Sri Muppana
Somaraju, PEDDAPURAM.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 918.—Whereas, I. K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Ward No. 8, Pithapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 18-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 571, dated 18-4-79 registered before the S.R.O. Pithapuram.

K. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Dated : 6-9-79.

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Sri Alamuri Suryanarayana (2) Alamuri Seetharamalakshmi Dwarapudi, R. C. Puram Tq.,
(Transferor)

(2) Shri Chitturi Krishnamurthy, Prakasam St., Ramaraopet, Kakinada.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 953.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-3-17 situated at Prakasam Road, Ramaraopeta, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 21-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2089, dated 21-4-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—416 GI/79

Dated : 19-11-79.
Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Shri Alamuri Suryanarayana (2) Alamuri Seetharamalakshmi Dwarapudi, R.C. Puram Tq.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Sri Chitturi Ramakrishna, Prakasam St. Ramaraopet, Kakinada.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 954.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-3-17 situated at Prakasam Road, Ramaraopet, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 21-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2090 dated 21-4-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Dated : 19-11-79.

Seal :

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 955.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-11-98 situated at Nageswararao Pantulu St., S.N. Puram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 20-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gopaluni Krishna Venamma, (2) Gopaluni Venkata Bhogeswara Sarma, (3) G.T.V.I.N. Sarma, (4) G. Ajaya Kumar m/g. father Gopaluni Venkata Bhogeswara Sarma, Satyanarayanapuram, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) Sri Darivemula Nalgava Lakshmi Narsu, S/o Shri Guravayya, Tadvavari St., Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2665 dated April 79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Dated : 19-11-79.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 956.—Whereas, J. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

23-11-98 situated at Nageswara Rao Pantulu St., Near Andhra Bank, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 3-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) (1) Smt. Gopaluni Krishna Venamma, W/o Purushothama Sarma, (2) Gopaluni Venkata Bogeswara Rao, (3) G.T.V.L.N. Sarma, (4) G. Ajayakumar, m/g. father G. Venkata Bogeswara Sarma, 23-11-98, Nageswararao Pantulu St., S.N. Puram, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) Smt. Darivemula Lakshmi Kumari, W/o Yoginath Babu, c/o Brindavan Vilas, Canal Road, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2104, dated 3-4-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Dated : 19-11-79.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 957.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 11-12-28 situated at Mekulavari St., Vijayawada-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 9-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tammina Satyanarayana, S/o Apparao, Silpasramam, Kothapeta, Vijayawada-1.

Transferor

(2) Smt. Bharathi Jeetendra Parekh, W/o Sri Parekh, 11-12-28, Mekulavari St., Kothapet, Vijayawada-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2328 dated 9-4-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (i/c), Kakinada

Dated : 19-11-79.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 958.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-12-28 situated at Mekalavari St., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 9-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tammina Atchuta Rao, Motor Vehicles Inspector, R.T.O.'s office, Vijayawada. (Transferor)
(2) Smt. Veena Ramesh Parekh, W/o Ramesh Parekh, 11-12-28, Mekalavari St., Vijayawada-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2329 dated 9-4-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Dated : 19-11-79.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Koneru Ramachandrarao, S/o Kutumbarao,
Vani Niketan, Ramachandrarao Road, Suryarao-
pet, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 959.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

17/22 situated at Achammampeta, Patamata, Vijayawada-10
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(2) Sri Koneru Gandhi, D. No. 17/22, Patamata,
Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered docu-
ment No. 2760 dated April, 1979 registered before the S.R.O.
Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Dated : 19-11-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 960.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26-23-24 situated at Sundaramma St., Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 21-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Suriseti Lakshmikanthamma, W/o Venkateswara Rao.
2. S. Sivaji, 3. Vitthal, 4. Rama Krishna, 5. Padmavati, 6. Rama Devi, 7. Saroja, minors by guardian mother Smt. Suriseti Lakshmi Kanthamma, w/o Venkateswara Rao.
8. Katragadda Kanaka Durga, G.P.A. holder Smt. Suriseti Lakshmi Kanthamma, W/o Venkateswara Rao.
9. Yarramsetti Bhansi Rani, G.P.A. holder Sri S. Sivaji.
10. Boppana Sri Lakshmi, G.P.A. holder Sri Vitthal Sundaramma St., Gandhinagar, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Smt. Rudramraju Padmayathi, W/o Ramakrishnaraju, Muthyalampadu—Vijayawada-11. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2574 dated 21st April 79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Dated : 19-11-79.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kilaru Basava Purnachandra Rao, S/o Venkata Krishniah, Dokiparru village, Gudivada Tq., Krishna Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sanikommu Audilakshmi, W/o Tirupathireddy, Vegetable Merchant, Kaleswara Rao Market, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 964.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31-9-33 situated at Kakani St., Maruthinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—416 G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2565 dated April 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Dated : 19-11-79,
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Dandamudi Anasuya Devi W/o Dasaratha Ramaiah, Tenneru village, Gannavaram Tq.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ravi Koteswara Rao, S/o Appaiah, Agrl. Asst. in Andhra Bank, Regional Office, Vijayawada-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 961.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31-16-19 situated at Bullemma St., Jagir Machavaram, Vijayawada

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2582 dated April 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, (i/c) Kakinada.

Dated : 19-11-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 962.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29-1-2 situated at Governorpet, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri T. Markandeya Sastry, C/o M/s. Siva Rama Krishna Agencies, 12-10-59, Convent St., Vijayawada-1.

(Transferor)

- (2) Late Smt. Yarlagadda Lakshmikanthamma, represented by (1) Y. Raja Gopala Rao, Lecturer in Physics, Andhra Loyola College, Vijayawada, (2) Y. Veerabhadrarao, Lecturer, Andhra Loyola College, Vijayawada.

(Transferee)

- (3) (1) Sri D. Subramanya Sastry (2) V. L. Panda—29-1-2 Sesbadra Sastry St., Governorpet, Vijayawada-2.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2413, dated April 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, (i/c) Kakinada.

Dated : 19-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Chalamalasetti Sektaramaiah, S/o Sastrulu,
C/o Sivarjuna Automobiles, Eluru Road,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Dowlathram Sobhrajmal, S/o Sobhrajmal,
Paramount Automobiles, Prakasam Road, Governor-
pet, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 963.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No. 24-3-24/3 situated at Andhra Ratna Road, Ramnagar,
Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Vijayawada
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as gives in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered docu-
ment No. 2202 dated April 1979 registered before the S.R.O.
Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri A. Chandramohanarao, Nazarpet, Tenali
2. Shri A. Venkata Ramanarao, Bapatla
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Kavuri Bharathi Devi, W/o Venkateswararao,
3rd lane, Brodipet, Guntur-2.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 965.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

552-20, situated at Brodipet, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2220 & 2224 dated April 1979 registered before the S.R.O. Guntur.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Pandipati Venugopala Reddy, Visakhapatnam-3
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Syamala Chistie, W/o Dr. K. M. Chistie, Private Medical Practitioner, Visakhapatnam-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 966.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Dyce Road, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April, '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2243 dated April '79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 967.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. situated at Morampudi Junction in Vemagiri Lalacheruvu Bypass Road, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shrimati Logu Bangaramma, w/o Laxmanarao,
2. Shri Logu Venkateswararao,
3. Shri L. Chandrasekhararao,
4. Kuamri Vijayalakshmi, D/o No. 1, (5) Maheswari, D/o No. 1, Rajahmundry.

(Transferor)

- (2) 1. M/s. Hindusthan Industries Corpn., Enugu Gum-mala Veedhi, Rajahmundry By its partners (1) Mohanlal, (2) Jugraj, (3) Manikchand, (4) Devichand, (5) Bai Sazan, (6) Bai Laxmi and (7) Sri Kailashkumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1934 dated 28-4-79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-1979
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 968.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-3-1 situated at Sambamurthy street, Kakinada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 2-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Raja Bommadevara Srirama Venkatarayulu Pan-gidi Eluru Tq. West Godavari District.
(Transferor)
- (2) Shrimati Datla Mermani, W/o D. Venkata Tirupa-thiraju, C/o Sri Lakshmi Finance & Commercial Corpn. Subash Road, Kakinada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1623 dated 2-4-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri Raja Bommadevara Sreerama Venkatrayulu, S/o Venkata Narasimharaidu, PANGIDI, Eluru Tq. West Godavari District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Dantaluru Khadar Haksha Valli Sadhu Krishna Varma, S/o D. Venkataragahavaraju, Pr. in M/s. Laxmi Finance Corporation, Subash Road, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 19th November 1979

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 969.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-3-1 situated at Sambamurthy street, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1609 dated April '79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—416 GI/79

Date : 19-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Dadala Subhadramma, W/o Ramanaiah,
Gopalakrishna St., Kakinada.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Merla Surya Prabhakara Chowdary,
2. Merla Durga Prasad Chodary
Pr. in Laxmi Rice Mill, Temple St., Kakinada.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 970.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 34-1-8 situated at Jawahar St., Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1761 dated April, 1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-1979
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 971.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34-1-8 situated at Jawahar St., Kakinada (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisation of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Dadala Subhadrama, W/o Ramanaiah, Gopalakrishna St., Kakinada (Transferor)
- (2) 1. Shri Merla Surya Prabhakara Chowdary,
2. Merla Durga Prasad Chowdary,
Pr. in Laxmi Rice Mill, Temple St., Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1803 dated April 1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 972.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54-5-55 situated at Vivalayam Street, Jagannadhapuram, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Kanumuri Venkata Seshagiri Rao, Near Munsiff Gari Junction & Market, Jagannadhapuram, Kakinada.

(Transferor)

- (2) Sri Manda Kesava Rao, S/o Ammiraju, Oil Merchant, Jagannadhapuram, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1611 dated April '79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 973.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2,000/- and bearing

No. 54-5-55 situated at Sivalayam street, Jagannadhapuram, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April '79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanumuri Venkata Seshagiri Rao, Near Muni-siff gari Junction and Market, Jagannadhapuram, Kakinada,

(Transferor)

(2) Sri Manda Ammirajum Cloth Merchant, Srinivasa Emporium, Jagannadhapuram, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2286 dated April '79 registered before the S.R.O, Kakinada.

B. V. SUBBA RAO

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 974.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54-5-55 situated at Sivalayam street, Jagannadhapuram, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Kanumuri Venkata Seshagiri Rao, Near Munsiff-gari Junction and Market, Jagannadhapuram, Kakinada. (Transferor)
- (2) Sri Manda Kesavarao, S/o Ammiraju, Oil Merchant, Jagannadhapuram, Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2264 dated April '79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-11-79.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Durgarai Devi, W/o Shri S. D. Mukherji and Shri S. D. Mukherji, Fafadih, Raipur.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Amina, W/o Shri Abdul Rashid, and 2. Smt. Nazima, W/o Shri Mohd. Illash, Moudhapara, Raipur (at present Near Ram Mandir, Fafadih, Raipur).

(Transferee)

- (3) Shri S. Ranganna, Professor, Durga Mahavidyalaya, Raipur.

[Person(s) in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1396/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 17th April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot measuring 3599 sft. bearing Kh. No. 55/18 near Ram Mandir, Fafadih, Raipur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-12-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1397/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 24th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramgopal S/o Saklu Prasad Kashyap Juna Bilaspur, Distt. Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Moolchand Khandelwal S/o Late Shri Chironjilal, Adarsh Colony, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 0.85 hectare (9150 sq. ft.) at New Bus Stand, Juna Bilaspur, Bilaspur.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-12-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. IAC/ACQN/BPL/1398/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29th April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—416 GI/79

- (1) 1. S/Shri Vishwasrao, S/o Trimbakrao Holkar;
2. Narayanrao;
3. Sureshchandra;
4. Chandrasen, sons of Vishwasrao Holkar;
5. Smt. Tarabai, W/o Vishwasrao Holkar, Vill. Kambi, Tehsil Sengave, Maharashtra;
6. Mrs. Mirabai, W/o Madhusudan, Harsiddhi Main Rd., Indore; and
7. Shri Trimbakrao, S/o Vishwasrao Holkar 15/2, Manoranaganj, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Kanhaiyalal, S/o Mohanlal, 147, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 27, Mahavir Marg, Indore.

K. K. ROY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, BhopalDate : 3-12-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Mohandas and Kishandayal Sharma, Anand Niwas, Gali No. 4, Simla (H.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Fakruddin Bhai, S/o Mulla Asgarali Bhai Bohra, H. No. 36, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1399/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19th April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern half portion of House No. 36, Jawahar Marg, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-12-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. LAC/ACQ/BPL/1400/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, - and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shyamlal Sharma S/o Shri Ramswarupji Sharma, Daily College, Indore.
(Transferor)
- (2) 1. S/Shri Mahendrakumar
2. Mukeshkumar sons of Shri Madangopal Agrawal and
3. Pavankumar and
4. Sanjay Kumar, sons of Shri Satayanarayan Agrawal, 182, Jail Road, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 3 on plot measuring 28,000 sft. situated at Street No. 3, Manoramaganj, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-12-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1401/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radheyshyam, S/o Shri Pannalalji Gupta 28, Kalali Mohalla, Chhawani Main Road, Indore.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Madhubala, W/o Bhagat Singh Rai.
2. Shri Shital Prasad, S/o Bhuralal;
3. Rajendra Prasad, S/o Gopilalji;
4. Sunil Kumar, S/o Ramprasadji (Minor) through guardian Smt. Premvati, W/o Shrilal Rai and Mithalal, S/o Purshottam Jaiswal, Kanongo Bakhali, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9, situated at St. No. 3, Block No. 56A, Manoramaganj, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-12-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1402/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Prabhawati Devi, Wd/o Gajanan Godbole, Nath Mandir Colony, 2, South Tukoganj, Indore;
2. Shri Rajaram, S/o Shreedhar Godbole;
3. Smt. Shalinibai, W/o Dinkar Godbole, Arera Colony, Bhopal;
4. Shri Raghunath, S/o Shreedhar Godbole, Nagpur;
5. Madhukar, S/o Shreedhar Godbole, LIG Colony, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Fateh Ali, S/o Gulam Ali, 713, Sangli Street, Mhow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and half storeyed house on Rakba 4490 sq. ft. at 12/1, Chandra Bagh, Indore.

K. K. ROY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-12-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pandurang Raghunath Rojinder, 50, M.I.G.,
Vaishali Nagar, Bhilai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Prof. Balkrishna, S/o Rambhan Nilose, Principal,
Govt. College, Shujalpur, 52, Anoop Nagar, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1403/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House situated at Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 26-4-1979,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied pucca house on Rakba 2616 sq. ft. at 52,
Anoop Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-12-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ashok Kumar, S/o Anokhilal Dakh, Dalu Modi Bazar, Ratlam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nazamuddin S/o Taber Ali Bohra, Chandni Chowk, Ratlam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1404/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 21st April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12/336, Rakba 7000 sq. ft. at Mitra Niwas Road, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-12-1979,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1405/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25th April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri Ramchandra;
2. Prabhakar;
3. Arun;
4. Anil;
5. Anand and
6. Avinash, sons of Govind Joshi; and
7. Ku. Manjiri, D/o Govind Joshi, Park Road, Telephone Exchange, Indore.
(Transferor)

- (2) Shri Yogendrakumar S/o Muralidhar Puranik, 52, Aada Bazar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied pacca house on Rakba 720 sq. ft at 99/1, Dubey-ka-Bagicha (Vallabh Nagar), Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-12-1979.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1406/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House (Part) situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Indore on 28th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
33—416 GI/79

- (1) 1. S/Shri Ramchandra;
2. Prabhakar;
3. Arun;
4. Anil;
5. Anand;
6. Avinash, sons of Govind Joshi and
7. Ku. Manjiri, D/o Govind Joshi, Park Road,
Telephone Exchange, Indore.
(Transferor)

- (2) Shri Basant S/o Gangadhar Bhende, 34, Nandlal-pura, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storied house on Rakba 585 sq. ft. at 99/1, Dubey-ka-bagicha (Vallabh Nagar), Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-12-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1407/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 4th April 1979,

for an apparent consideration which isless than the fair market value of the aforesaid property and **I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar S/o Vithaldas Sheth, 21, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Rasiklal S/o Vasanji Doshi, Manager, Dena Bank, Bhawanipur Branch, 109, Ashutosh Mukherji Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor flat of 'Seth Apartment' measuring 1305 sq. ft. at 7B Kailash Park Colony, Indore with rights, title and interest in common areas and facilities.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-12-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahendra Narayan, S/o Ramgopal Gupta, 589, Sneh Nagar, Naolakhia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vidhyasagar, S/o Beharilal Chaturvedi, R/o Japla Cement Factory, Vill. Devarikalan, Distt. Palamu, Husainabad, Bihar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1408/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 20th April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Rakba 2400 sq. ft. at 36, Khedapati Colony, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-12-1979.
Seal :

FORM FIVE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1979

Ref. No. IAC/AQC/BPL/1469/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Ratlam, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 21st April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar S/o Anokhilal Dakh Mahajan Dalu Modi Bazar, Ratlam, (Transferor)
- (2) Shri Huned, S/o Haji Fakruddin Bohra, Chandni Chowk, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12/335 measuring 7000 sq. ft. at Mitra Niwas Road, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-12-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurucharansingh S/o Harjasraj Chawla, Fatehgarh, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamala W/o Lilarum Khatri, 50-C, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1410/79-80—Whereas, I, K. K. ROY,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Building situated at Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 13th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 situated at Royal Market, near G.P.O., Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-12-1979.

Seal :

FORM ITNS ———**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 19th December 1979

Ref. No. IAC/ACQN/BPL/1411/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Raipur on 28th April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gaytri Bai, W/o Shri Triyugi Narayan; 2. Shri Triyugi Narayan S/o Chandra Narayan Dubey, Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar Surivastava S/o Kamta Prasad Shrivastava, Budhapara, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 309/15 situated at Brahmapuri Raipur, Distt. and Tehsil, Raipur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 19-12-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sulekha Bai, C/o H. E. Abulkareem Sait,
Opposite to Naval College, Veli, Cochin-682001.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. A. Haneefa Haji, 12/599, Manthara Road,
Cochin-682002.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 7th November 1979

Ref. No. L.C. 346/79-80.—Whereas, I,
K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Cochin on 2-3-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

⁴
EXPLANATION :—The terms and expressions used herein ~~as~~
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 cents of land with buildings in Sy. No. 699 of Mattan-
cherry village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri N. Krishna Iyer (For the Cardamom Marketing Co. (Travancore) Ltd., Kottayam.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri K. M. Marakkar Haji.
2. Shri K. M. Hassan.
3. Shri K. M. Aliyar.
Kodavathu House, Erumathala, Alwaye.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, COCHIN

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Cochin-682016, the 26th November 1979

Ref. No. L.C. 364/79-80.—Whereas I,
K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Alwaye, Nakodar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Alwaye on 9-4-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

24.775 cents of land with buildings in Sy. No. 261/1C of Alwaye village.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-11-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 367/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Mallapuzhacherry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhencherry on 30-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
34—416 GI/79

(1) Shri P. M. Chocko, Palliath, Kozhencherry.
(Transferees)

(2) 1. Mathew,
2. Mrs. Sosamma Mathew,
3. Roy M. Mathew,
4. Nissi Mathew,
5. Saramma Mammen,
6. Sisily Mathew.
For M/s Muthoott Mini Chitty Fund, Kozhencherry.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.5 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 440/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 6-12-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harikant Manaklal Shah, 83, Jai Prakash Road, 5, Nand Bhavan, Andheri (West), Bombay-400058.

(Transferors)

(2) Shri M. Balan Pillai, Quilon Tourist Home, Quilon.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. I.C. 370/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Quilon, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 18-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 1563/79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 6-12-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 371/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Quilon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Quilon on 18-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chanchal Bai Manaklal Shah,
2. Navin Manaklal Shah,
3. Subhadra R. Shah.
[By Sri Harikanth Manaklal Shah, 83, Jai Prakash Road, 5, Nand Bhavan, Andheri (West), Bombay-400058.]
(Transferors)
- (2) Shri M. Balan Pillai, Quilon Tourist Home, Quilon.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 1564/79.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 6-12-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 372/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Quilon, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Quilon on 18-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Kishori N. Parekh,
2. Kumud S. Kapadia,
3. Kishore Manaklal Shah,
4. Nina N. Choda.
[By Harikanth Manaklal Shah, 83 Jai Prakash Road, 5, Nand Bhavan, Andheri (West) Bombay-400058.]

(Transferors)

- (2) Shri M. Balan Pillai, Quilon Tourist Home, Quilon.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 1565/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 6-12-1979.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Jayanth Manaklal Shah,
2. Sheela Manaklal Shah,
3. Pradeep Manaklal Shah.
[By Shri Harikanth Manakal Shah, 83, Jai Prakash
Road, 5, Nand Bhavan, Andheri (West), Bombay-
400058.]

(Transferees)

- (2) Shri M. Balan Pillai, Quilon Tourist Home, Quilon.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings as per schedule attached to Doc.
No. 1566/79.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 6-12-1979.
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 373/79-80.—Whereas, I,
K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Quilon,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Quilon on 18-4-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269-D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 374/79-80.—Whereas I,
K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Quilon,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Quilon on 18-4-1979,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Harikanth Manaklal Shah,
2. Navin Manaklal Shah,
3. Kishore Manaklal Shah,
4. Jayakanth Manaklal Shah,
5. Pradeep Manaklal Shah,
6. Chanchal Bai Manaklal Shah.
83, Jai Prakash Road, 5, Nand Bhavan, Andheri
(West), Bombay-400058.

(Transferors)

- (2) Shri M. Balan Pillai, Quilon Tourist Home, Quilon.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc.
No. 1567/79.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 6-12-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri C. K. P. Kamath, Union Bank of India,
Willingdon Island, Cochin-3.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. R. Chandran, M/s Babuchand Engineers,
Chittoor Road, Cochin-16.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 4th December 1979

Ref. No. L.C. 366/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 30-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

6.566 cents of land with buildings in Sy. No. 922/2 of Ernakulam village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 4-12-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

"ANJIPARAMBIL BUILDINGS"

ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 378/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, Sy. No. as per schedule situated at Irinjalakuda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Irinjalakuda on 9-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Krishna Iyer, Kunnathu Madom, Irinjalakuda.
2. Hariharan,
3. Vaidyanathan.
by Krishna Iyer, Irinjalakuda.

(Transferors)

- (2) Sri M. Velayudha Menon, Shyam Textiles, Nadavarambu.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

59 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 661/79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-12-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 379/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Manantoddy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manantoddy on 28-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. B. Seethamma Kaveriappa (by B. K. Ganapathi).
2. B. K. Ganapathi,
3. B. K. Nanjappa, (by B. K. Ganapathi).
4. B. K. Achappa (by B. K. Ganapathi).
No. 19, Lalitha Mahal Road, Mysore.
(Transferors)

- (2) 1. P. Ramakurup,
2. Neelikandi Kunhammed Haji.
3. A. T. Mathew.
4. T. P. Punnoose.
5. M. Balakrishnan.
6. N. Pokker.
7. J. A. Thomas.
8. T. P. Antony.
(Pan Enterprises).
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Coffee estate as per schedule attached to Doc. No. 1749.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-12-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 380/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Manan oddy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manan oddy on 28-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri B. K. Ganapa Hi, No. 19, Lali ha Mahal Road, Mysore.
(2) Shri B. K. Nanjappa,
(3) B. K. Achappa, (by B. K. Ganapa hi).
(Transferor)

- (2) (1) Shri P. Ramakurup,
(2) Shri Neelikandikunnammed Haji,
(3) Shri A. T. Mahew,
(4) Shri M. Balakrishnan,
(5) Shri N. Pakker,
(7) Shri Thomas J. A.,
(8) Shri T. P. Antony.
(For Pan Enterprises)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Coffee estates as per schedule attached to Doc. No. 1750/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-12-1979
Seal :

FORM ITNS(1) Sri Balachandran,
Paluvayi Desom, Chavakkad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Dr. Varghese Job,
Vadakke halakkal, Pavara Y.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS."
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. 381/79-80.—Whereas, I. K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Pavaratty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mullasseri on 9-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20.75 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 569/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-12-1979

Seal :

